Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 188 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 15 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परलोक गमन के समय पैसा नहीं पुण्य काम आता है।

At the life of departure for next world not moneay but virtuous acts of use.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल

रायपुर (विसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में 15 जनवरी को बिलासपुर स्थित गुरू घासीदास विश्वविद्यालय का 11वां दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार उपराष्ट्रपति धनखड़ दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए अपनी धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ बिलासपुर आएंगे। उपराष्ट्रपति भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से दोपहर 12:15 बजे दिल्ली से प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे रायपुर स्थित माना एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां हेलीकॉप्टर से बिलासपुर जाएंगे। उपराष्ट्रपति अपरान्ह 3 बजे से 4 बजे तक गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति इसके पश्चात बिलासपुर से हेलीकॉप्टर से संध्या 4:50 बजे रायपुर माना एयरपोर्ट पहुंचेंगे और 5 बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन, यात्रियों की अटकी सांसें

चेन्नई (आरएनएस)। विल्लुपुरम रेलवे स्टेशन के पास आज मंगलवार की सुबह बड़ा हादसा होते-होते रह गया। यहां यात्रियों को लेकर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन अचानक पटरी से उतर गई। जानकारी के मुताबिक पैसेंजर ट्रेन के पांच डिब्बे रेलवे की पटरी ने उतर गए। हालांकि आनन-फानन में आवाज सुनकर ट्रेन को रोक दिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ, 300 बेटियों के हाथ हुए पीले

छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य, जहां भांजे को माना जाता है भगवान का स्वरूप : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

बलरामपुर कॉलेज में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रभु श्री राम छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसे हुए हैं, जन-जन में बसे हुए हैं। भगवान श्रीराम हमारे भांचा राम हैं। पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य है, जहां भांजे को भगवान स्वरूप में पूजते हैं, उनका चरण पखारते हैं। उन्हें दंडवत होकर प्रणाम करते हैं। हमारी सरकार की श्रीराम लला दर्शन योजना से राज्य के 20 हजार से अधिक लोग अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उक्त बाते कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम लोग तातापानी संक्रांति परब में हर साल यहां आते हैं। पिछले साल जब हम लोग यहां आए थे, तब इस पावन स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। परिणाम आप सबके सामने है, आज तस्वीर बहुत कुछ बदली-बदली सी नजर आ रही है। यहां विकास के काम तेजी से हुए हैं और लगातार हो ही रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। खासकर सरगुजा और बस्तर जिले में अनेक ऐसे सुंदर स्थान हैं, जो पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं। ऐसे स्थलों को चिन्हित कर पर्यटन स्थलों का विकास तेजी से कराया जा रहा है। तातापानी भी ऐसी ही जगहों में से एक है। हम इन सभी दर्शनीय स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करेंगे। इससे रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। अभी हम लोगों ने 177 करोड़ रुपये के 198 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इनमें करीब 134 करोड़ रुपये की लागत के 140 कार्यों का भूमिपूजन और 43 करोड़ रुपये के 58 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण के लिए हम लोगों ने आज भूमिपूजन किया है, जिसके निर्माण से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बलरामपुर कॉलेज में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की। आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 300 बेटियों के हाथ पीले हुए हैं। उन्होंने सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए सभी के सुखमय गृहस्थ जीवन की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने कहा कि तातापानी संक्रांति परब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का गौरव है। तातापानी दुनिया के उन चुनिंदा स्थानों में से एक है, जहां गर्म-पानी के कुंड के रूप में प्रकृति की शक्ति को प्रत्यक्ष देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि तातापानी संक्रांति परब का यह आयोजन समाज में एकता और सौहार्द का संदेश भी देता है। इस महोत्सव में लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ ही पतंगबाजी और आरागाही हवाई पट्टी पर पैरासेलिंग का आनंद भी आप लोग उठा पाएंगे। यहां किसान संगोष्ठी और पंच-सरपंच सम्मेलन भी होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य सामने रखा है। इसी के अनुरूप हम भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ा रहे है।

मुख्यमंत्री साय ने नवदम्पतियों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी आवासहीन पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। हमने सरकार के शपथ ग्रहण के दूसरे दिन प्रदेश के आवासहीनों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना की घोषणा की है। उन्होंने अगले वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ को 4 लाख नए आवास के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा नये सर्वे में अब हितग्राहियों की मासिक आय सीमा बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित भूमि या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे भी अब इस योजना के तहत पात्र होंगे । हितग्राही अब स्वयं भी अपने आवास हेतु मोबाइल एप के जरिए आवेदन और सर्वेक्षण कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्मारक सिक्का और 'मिशन मौसम' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया। साथ ही स्मारक सिक्का और 'मिशन मौसम' का शुभारंभ किया।

इस समारोह में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के महासचिव सेलेस्टे साउलो भी उपस्थित रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस पर जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मौसम पूर्वानुमान की सटीकता में 50त्न की वृद्धि हुई है। आज हमारे स्थापित संयंत्र केवल आईएमडी केंद्रों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अंतरिक्ष, जमीन और समुद्र तक उनका विस्तार है। मिशन मौसम का उद्देश्य विश्व स्तर की सुविधाएं प्रदान करना है और मौसम के लिए तैयार भारत बनाना है। इसका मतलब है कि मौसम की प्रत्याशित और अप्रत्याशित चुनौतियों से भारत मुकाबला करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी के नेतृत्व में अब मंत्र यह नहीं है कि कल मौसम कैसा होगा, बल्कि यह है कि मौसम कल क्या करेगा।

वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञान के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और व्यक्तिगत रूप से मैं आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी उपस्थिति और समर्थन के लिए हम आपके बहुत आभारी हैं। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों सहित एक मजबूत नीति ढांचा और संस्थागत तंत्र विकसित किया है, जिसने आपदा जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नामांकन से पहले सीएम आतिशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी पर आचार संहिता के उल्लंघन में एफआईआर दर्ज की गई है। कोड ऑफ कंडक्ट के आरोप में रिटर्निंग अफसर ने सीएम आतिशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। इसके साथ ही आतिशी पर यह भी आरोप लगा है कि उन्होंने निजी कार्यालय के लिए सरकारी व्हीकल का प्रयोग किया।

दर्ज करवाई गई शिकायत में कहा गया है कि चुनाव के ऐलान के बाद 7 जनवरी को करीब 02.30 बजे पीडब्ल्यूडी के सरकारी वाहन, निजी चुनाव कार्यालय पर चुनाव से जुड़े काम के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा। आतिशी की विधानसभा सीट कालकाजी के रहने वाले केएस दुग्गल ने गोविंदपुरी एसएचओ को भी शिकायत दी। कालकाजी से विधायक आतिशी को इस हाई-प्रोफाइल सीट से फिर से टिकट दिया गया है। बीजेपी ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को कालकाजी से मैदान में उतारा है। बता दें दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 5 फरवरी को मतदान होगा, जबकि 8 फरवरी को नतीजे आएंगे।

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तरुण प्रकाश द्वारा रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल बिलासपुर का निरीक्षण

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने आज रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल, बिलासपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने हाई डिफिशिएंसी वार्ड, आईसीयू, जनरल वार्ड, और मरीजों के लिए खाना बनाने वाले किचन का निरीक्षण किया। साथ ही, उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों व उनके परिजनों से भी संवाद कर उनका हालचाल जाना। महाप्रबंधक ने अस्पताल में साफ-सफाई और मरीजों के लिए बनाई गई सुविधाओं का अवलोकन कर अस्पताल स्टाफ को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और मरीजों की हर संभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान करना रेलवे की प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी एवं अस्पताल के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

नक्सलियों ने बदली रणनीति, जवानों पर कह रहे आईईडी बम से हमला

बीजापुर (आरएनएस)। नक्सली हिंसा के खिलाफ सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। इससे बौखलाए नक्सली अब जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए कांच की बोतलों से बम बनाकर उसे प्लांट कर रहे हैं। नक्सली कांच की बोतलों का उपयोग आईईडी बम के रूप में कर रहे हैं। बीजापुर जिले में पिछले दिनों जवानों को मिली आईईडी कांच की बोतलों से बनाई गई थी। हीं, सुकमा जिले के तुमालपाड़, पुवर्ती समेत इसके आस-पास के इलाकों में भी यही बॉटल आईईडी मिल चुकी है। जांच में खुलासा हुआ कि नक्सली इन बोतलों को बम की तरह उपयोग कर रहे हैं, क्योंकि जब इनमें विस्फोट होता है तो इससे कांच के टुकड़े जवानों को ज्यादा गंभीर रूप से घायल कर सकते हैं। बीजापुर में बीते 9 जनवरी को मुरदंडा क्षेत्र में 2 आईईडी जवानों ने बरामद किए थे। इन्हें जवानों ने नष्ट भी कर दिया। इसी तरह 5 जनवरी को भी आवापल्ली-बासागुड़ा मार्ग पर भी जवानों ने 2 आईईडी बरामद कर इन्हें नष्ट कर दिया था। दोनों जगहों पर हर एक बोतल में बनाई आईईडी करीब 2-2 किलो वजनी थी। इन बॉटल आईईडी को नक्सलियों के नए हथियार के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर वर्ष 2025 के शासकीय कैलेंडर का किया विमोचन

'सुशासन से समृद्धि की ओर' थीम पर आधारित है छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष का कैलेंडर

- क्यू आर कोड के नए फीचर्स ने कैलेंडर को बनाया खास
- मुख्यमंत्री के वीडियो संदेश के साथ ही शासन की उपलब्धियों की भी मिलेगी जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष 2025 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर के कवर पेज में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की फोटो के साथ %सुशासन से समृद्धि की ओर% के मूलमंत्र को दर्शाया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के वार्षिक कैलेंडर में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ वासियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को दिखाया गया है। विमोचन के अवसर पर कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम और लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन से समृद्धि के मूलमंत्र पर आधारित यह कैलेंडर हमारे शासन की प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का प्रतीक है। इसमें हमने राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाहित किया है, जो छत्तीसगढ़ को समृद्धि और विकास के नए आयामों तक ले जाएंगी।

रजत जयंती वर्ष 2025 के कैलेंडर में कुछ नए फीचर्स को समाहित किया गया है जिसने इसे और आकर्षक बना दिया है। कैलेंडर के प्रत्येक माह में एक क्यूआर कोड दिया गया है, जिसमें उस माह के विशेष अवसरों पर आधारित मुख्यमंत्री के वीडियो संदेश को सुना जा सकता है। इसी के साथ ही नए संदेश और शासन की उपलब्धियों की जानकारी निरंतर मिलती रहेगी। कैलेंडर के प्रत्येक माह के लिए उस महीने का क्यू आर कोड ही एक्टिव रहेगा।

भाजपा की आंतरिक व्यवस्था से अनारक्षित सीटों पर पिछड़ा वर्ग को मिलेगा ज्यादा प्रतिनिधित्व : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव

भाजपा के प्रयासों से पिछड़ा वर्ग को मिल रहा अधिकतम 50 प्रतिशत आरक्षण, कांग्रेस इसे शून्य करवाना चाहती थी : अरुण साव

रायपुर (विसं)। आज भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि हमने इस बात को सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है कि अनारक्षित सीटों पर पिछड़े वर्ग को अधिक प्रतिनिधित्व देंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले की स्थिति बहाल रहेगी एवं पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आएगी।

प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि कांग्रेस केवल झूठ की राजनीति करती है, वह मुद्दों के अभाव से जूझ रही है राजनीतिक पतन की तरफ बढ़ रही है इसलिए केवल वर्ग संघर्ष की बात करना, प्रदेश में माहौल खराब करने का प्रयास करना, षड्यंत्र करना यही कांग्रेस का काम रह गया है। प्रदेश भाजपाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने तो वास्तव में ओबीसी आरक्षण के विरोध में कोर्ट जाने वाले और ओबीसी का आरक्षण रोकने वाले लोगों को पुरस्कृत करने का काम किया है। भाजपा कांग्रेस के सभी षडयंत्र उजागर करती रहेगी और कांग्रेस का झूठ अब चलने वाला नहीं है।

प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने विस्तार से आरक्षण के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से ओबीसी विरोधी रही है। श्री साव ने कहा कांग्रेस हमेशा पिछड़ा वर्ग का विरोधी रही है। वह आरक्षण के खिलाफ रही है। तब की कांगेस सरकार द्वारा 'कालेलकर आयोग' की अनुशंसा को ठंडे बस्ते में डाल देने के बाद आगे फिर 'मंडल आयोग' तक का इंतज़ार करना पड़ा।

पंडित नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक के आरक्षण विरोधी वक्तव्यों के अनेक संदर्भ आपको गाहे ब गाहे दिख भी जायेंगे। मसलन 1961 में मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में पंडित नेहरु ने कहा था कि आरक्षण से अक्षमता और दोयम दर्जे का मानक पैदा होता है। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग की संस्तुति से किनारा कर लिया था। राजीव गांधी ने तो यहां तक कह दिया था कि आरक्षण से हम बुद्धुओं को बढ़ावा देते हैं।

इस प्रकार बार-बार प्रमाणित हुआ है कि कांग्रेस पूरी तरीके से आरक्षण विरोधी रही है। आरक्षण संबंधी सभी संवैधानिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए श्री साव ने कहा कि देश के संसद में 73वां 74वां संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा सशक्त और जवाबदेह पंचायत एवं नगर पालिका बनाने का प्रावधान संविधान में किया गया और साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े हुए नागरिकों के किसी भी वर्ग के पक्ष में आरक्षण के लिए उपबंध (प्रावधान) करने का अधिकार राज्य के विधान मंडल को दिया गया है। साथ ही सभी वर्ग में महिलाओं के लिए भी आरक्षण से संबंधित उपबंध (प्रावधान) दिये हैं। अनुच्छेद 243 (घ) में पंचायतों के स्थानों के आरक्षण से संबंधित प्रावधान है, जिसमें 243(घ)(1) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण का प्रावधान है। 243(घ)(2) में महिलाओं से संबंधित आरक्षण का प्रावधान और 243(घ)6 में पिछड़े हुए नागरिकों के लिए आरक्षण के संबंध में उपबंध है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर के परिवार को 10 लाख की आर्थिक मदद देगी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ सरकार मुकेश चंद्राकर के नाम से पत्रकार भवन का निर्माण करेगी. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह ऐलान किया है, साथ ही उन्होंने पत्रकार मुकेश चंद्राकर के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की है.

ज्ञात हो कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव आरोपी ठेकेदार के सेप्टिक टैंक से मिली थी. मुकेश चंद्राकर के शव को टैंक में छुपाकर ऊपर से कंक्रीट बिछा दी गई थी. पुलिस को जेसीबी चलाकर टैंक तोड़ना पड़ा और फिर पत्रकार का शव बरामद किया गया. मुकेश चंद्राकर के सहयोगी पत्रकारों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार ने सुनियोजित तरीके से इस मर्डर की वारदात को अंजाम दिया है. अन्य जर्नलिस्ट के दबाव में आकर ही पुलिस ने कार्रवाई की थी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नई सुविधा

बिजली उपभोक्ताओं के लिए 'बिजली मितान बॉट' सेवा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किये गये सुशासन के आव्हान से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ता सेवाओं में विस्तार करते हुए 'बिजली मितान बॉट' की सुविधा अपने लगभग 64 लाख उपभोक्ताओं के लिए प्रारम्भ की जा रही है। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर द्वारा समस्त उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठायें। श्री कंवर द्वारा विद्युत कर्मियों से अपील की गई है कि वे इस नई सुविधा के संबंध में उपभोक्ताओं को समुचित जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें इसका लाभ लेने हेतु प्रेरित करें।

व्हाट्सऐप बॉट का उपयोग करने के लिए पावर कंपनी के व्हाट्सऐप बॉट नंबर 9425551912 पर Hi लिखकर भेजना होगा, वही वेब बॉट का उपयोग करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की वेबसाइट cspdcl.co.in विजिट करना होगा। पहले चरण में उपभोक्ता बिजली मितान बॉट के माध्यम से बिजली आपूर्ति, ट्रांसफार्मर खराबी एवं बिजली दुर्घटना से सम्बंधित शिकायत आसानी से दर्ज कर सकते हैं, साथ ही साथ उसकी स्थिति भी इस बॉट के माध्यम से जान सकते हैं। अगर उपभोक्ता को अपनी बकाया राशि, अंतिम बिल और अंतिम भुगतान की जानकारी जाननी हो तो भी 'बिजली मितान बॉट' के माध्यम से जान सकते हैं।

कुछ उपभोक्ताओं को बिल प्राप्त न होने की शिकायत रहती है वे भी अब बड़ी आसानी से इस बॉट के माध्यम से बिल की पीडीएफ प्रति यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकरी भी इस बॉट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

निकट भविष्य में इस बिजली मितान बॉट में बिजली बिल भुगतान, मोबाइल नंबर पंजीकरण, नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन, लोड परिवर्तन, नाम परिवर्तन, टैरिफ की जानकारी, बिजली चोरी की सूचना देने की सुविधा, स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की उपभोक्ता सेवाएं इस बॉट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

व्हाट्सऐप बॉट का उपयोग कैसे करें : सर्वप्रथम पॉवर कंपनी के व्हाट्सऐप बॉट नंबर 9425551912 को अपने Contact लिस्ट में सेव करें। सेव करने के बाद ऊपर दिए गए नंबर पर Hi लिखकर भेजे। इसके बाद आपको भाषा (हिंदी/English) का चयन करना होगा। भाषा चयन के बाद आपके द्वारा जिस नंबर से चैट किया जा रहा है, उस नंबर से पंजीकृत उपभोक्ता क्रमांक प्रदर्शित होने लगेगा, जिस उपभोक्ता क्रमांक की जानकारी आपको लेनी है उसे सेलेक्ट करना होगा। इसके बाद आपको बॉट में उपलब्ध उपभोक्ता सेवाओं की लिस्ट प्रदर्शित होने लगेगी, इसके पश्चात आपके इनपुट के आधार पर बॉट उपभोक्ता सेवाओं की जानकारी आपको उपलब्ध करा दी जाएगी। ऐसे उपभोक्ता जिनका उपभोक्ता क्रमांक मोबाइल नंबर के साथ पंजीकृत नहीं है वे अपने मोबाइल नंबर का पंजीकरण मोर बिजली ऐप, कंपनी की वेबसाइट (cspdcl.co.in), कॉल सेंटर 1912 एवं अपने बिजली ऑफिस के माध्यम से कर सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 15 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में सिया काला को द्वितीय स्थान

भोपाल (विश्व परिवार)। सरस्वती संगीत महाविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग पचास प्रतियोगियों में सिया काला सुपुत्री (एडवोकेट सीमांत वीणा काला) भोपाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि विधायक श्री भगवानदास सबनानी थे।

नगर पंचायत चंदखुरी में कचरा संग्रहण एवं पृथ्कीकरण कार्य में महिलाएं सक्रिय

चंदखुरी (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के अनुसार नगर पंचायत चंदखुरी में डोर-टू-डोर स्वच्छता कार्य में संलग्न महिलाओं द्वारा नियमित कचरा संग्रहण किया जा रहा है। साथ ही नगर के 02 मणिकंचन केन्द्रों में 10 महिलाएं संग्रहित कचरा की छटाई कार्य में कार्यरत हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकुर राम तारम, उप अभियंता अजल्ली साहू तथा सफाई प्रभारी विमल गिलहरे द्वारा मणिकंचन केन्द्रों का निरीक्षण कर संग्रहित कचरों के उपयोगिता की जानकारी ली गई। ज्ञात हो कि न.पं. चंदखुरी के सभी 01 से 15 वार्डों में संग्रहित कचरे की छटाई मणिकंचन केन्द्र में की जाती है, इसमें सूखा कचरा को स्थानीय कबाड़ व्यवसाय को बिक्री किया जाता है व गीला कचरा से उर्वरक खाद तैयार किया जाता है व खाद भी बिक्री की जाती है। इस माध्यम से महिलाएं अपने जीवन को स्वावलम्बी बना रही है। नगर के लोगों ने मणिकंचन केन्द्र में कार्य कर रही महिलाओं के कार्यों की सराहना की है।

बिना अनुमति एसएमसी हॉस्पिटल में संचालित कैंटीन सीलबंद

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एसएमसी हॉस्पिटल के बेसमेंट पार्किंग क्षेत्र में बिना अनुमति संचालित केंटीन और डाइनिंग एरिया को सीलबंद किया गया। हॉस्पिटल संचालक को पूर्व में कई बार नोटिस देने के बाद भी बेसमेंट पार्किंग में बिना अनुमति संचालित केंटीन और डाइनिंग एरिया का संचालन बंद नहीं किये जाने पर कार्रवाई की गई। एसएमसी हॉस्पिटल द्वारा सड़क को सामने की ओर घेरकर बनाये गए रेम्प को हटाने की कार्रवाई की गई है। सड़क पर रेम्प बनाये जाने से वहां लगातार सड़क यातायात बाधित रहने से जाम लग रहा था। यातायात जाम की समस्या रेम्प हटाने के तत्काल बाद दूर हो गई और यातायात सुगम और सुव्यवस्थित हो गया, जिससे नागरिकों को राहत मिली।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवस का विशेष शिविर मोहतरा में 6 से 12 जनवरी तक संचालित हुआ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, बलौदा बाजार की राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवस की विशेष शिविर ग्राम-मोहतरा में 6 से 12 जनवरी तक संचालित हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेविकाओं द्वारा गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें परियोजना कार्य के अंतर्गत गांव की गलियों, गौठान, तालाब, आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय परिसर की साफ सफाई की गई तथा नशा मुक्ति से संबंधित संदेशों का दीवार लेखन किया गया स्वयं सेविकाओं द्वारा प्रत्येक दिवस रात्रि कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में निरक्षरता, स्वच्छता, बाल विवाह, अंधविश्वास से संबंधित नाटक का मंचन किया गया साथ ही छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई शिविर के अंतिम दिवस में समापन के अवसर पर सरपंच श्रीमती ईश्वरी साहू द्वारा समस्त स्वयं सेविकाओं को मेडल के साथ प्रमाण पत्र तथा ग्रुप लीडर को मोमेंटो भेंट की गई साथ ही महाविद्यालय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वासु वर्मा तथा अन्य अतिथियों एवं स्वयंसेविकाओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी जिला संगठक डॉ. सुनीता त्यागी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए सामुदायिक महत्व के बारे में बताते हुए स्वयंसेविकाओं को प्रेरित किया सरपंच श्रीमती ईश्वरी संतोष साहू जी के द्वारा शिविर आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता हेतु जागृत करने के लिए समस्त स्वयं सेविकाओं को बधाई दी समापन कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी रोशनी लता राकेश ने सरपंच एवं ग्रामीणों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया इस अवसर पर ग्राम मोहतरा के सरपंच, पंच, प्राचार्य डॉ. वासु वर्मा, जिला संगठक डॉ. सुनीता त्यागी, डॉ. कल्पना उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व छात्राएं एवं 55 से शिविरार्थि सम्मिलित थे सप्त दिवसीय शिविर की अध्यक्ष कुमारी ढालेश्वरी निषाद थी।

छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के नाम पीएसी समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जा सकते हैं

कोचिंग सेंटरों में पढ़ा रहें म से मुकेश म मधुकर का ट्रिक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के नाम पीएसी समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जा सकते है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कब कौन सा सवाल पूछ दे यह नहीं कहा जा सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं का अध्ययन काफी विस्तृत हैं। जिसकी सफलता के लिए कोचिंग संस्थाओं में अध्ययन बारीकी से कराई जाती है। जिसे बेहद सहज ढंग से अवगत कराया जाता हैं। बेहतरीन ट्रिक अध्ययन को और आसान बना रहीं है।एक कोचिंग सेंटर में शिक्षक अध्यापन के दौरान म से मुकेश म मधुकर याद रखने का आसान ट्रिक बता रहें।

हालही में सोशल मीडिया पर एक कोचिंग सेंटर द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के अध्ययन के लिए पत्रकारों का नाम और उनको मिलने वाले सम्मान को सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया गया हैं। जिसको खूब पसंद किया जा रहा हैं। साथ ही साल 2025 में भारत यंग लीडर्स डायलॉंग के चयन सम्बन्धित यु ट्यूब पर वीडियों अपलोड किया गया हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दे की गत वर्ष 2024 में पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रिंट में मुकेश एस सिंह (अंग्रेजी) एवं भोला राम सिन्हा (हिन्दी) इलेक्ट्रॉनिक मिडिया से मोहन तिवारी को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा मधुकर खरे स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार सम्मान प्रदान किया गया है। यह पत्रकारिता के क्षेत्र दी जाने वाली सर्वोच्च राज्य अलंकरण पुरुस्कार है।

318 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर गृह प्रवेश कराया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आज मकर संक्रांति के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी.) योजना के अंतर्गत 318 हितग्राही जिनके द्वारा आबंटित मकान की पुरी किश्त जमा कर दी गई थी। ऐसे हितग्राहियो को सूर्य विहार के पीछे खम्हरिया 493 युनिट में मकान प्रदान किया गया। दुर्ग लोकसभा सांसद, वैशाली नगर विधायक, महापौर एवं जनप्रतिनिधियो द्वारा पहले जाकर प्रधानमंत्री आवास में जाकर मकान का निरीक्षण किया गया। उसके पश्चात मकान की चाबी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि हमे बहुत खुशी है कि आज इस पवित्र तिथि पर अपने शहर के नागरिको को प्रधानमंत्री आवास की चाबी प्रदान करते हुए यह मेरे लिए बहुत शुभ अवसर है। विधायक रिकेश सेन ने अपने उद्बोधन में कहा प्रधानमंत्री जी का सपना है, कि सबके पास मकान हो। जिसमें अपने परिवार सहित खुशहाल जीवन जी सकें, यह योजना सबके लिए लाभकारी है। महापौर नीरज पाल ने अपने उद्बोधन में कहा मकान प्राप्त करने के बाद चारो-तरफ स्वच्छता बनाये रखना। साफ-सफाई रखना सबका कर्तव्य है, जिससे आपकी कालोनी अच्छ कालोनी कहलाये। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि आपका अपना मकान होगा। जिस पर खुद का अधिकार होगा, आपके पास प्रमाण पत्र होगा जिससे अधिकार पूर्वक बता सकते है यह हमारा मकान है। सबके बीच में श्रीमती रूखमणी देवांगन 62 वर्षीय महिला ने अपनी भावनाओ को व्यक्त करते हुए कहा किराये के मकान में हमारा दिन कट रहा था। मन में यही सपना था, कि हमारा खुद का मकान हो, मेरे नाम का मकान हो, मुझे बहुत अच्छे लोकेशन पर हमारे उम्र का खयाल रखते हुए हमे नीचे का मकान मिला है। हमारा सपना पुरा हुआ, प्रधानमंत्री मोदी जी का आभारी हुॅं। हमारा मकान भी सीधा ढलाई करके बनाया गया है, मजबूद है। दिवाल में खीला भी नही घुसता है, हम सब बहुत खुश है।

कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, जिला भाजपा अध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, एमआईसी सदस्य संदीप निरंकारी, पार्षद महेश वर्मा, संतोष मोर्या, मुकेश अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि अवधेश सिंह, अधीक्षण अभियंता डी.के.वर्मा, दीपक जोशी आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री डेका से पैरा एशिया कप के गोल्ड मेडल विजेता श्री झा ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में पंजा कुश्ती में पैरा एशिया कप के गोल्ड मेडल विजेता श्री श्रीमंत झा ने सौजन्य भेंट की। श्री झा ने गत नवम्बर माह में मुबंई में आयोजित प्रतियोगिता में यह उपलब्धि हासिल की। श्री झा का यह 49 वां अंतर्राष्ट्रीय मेडल है। वे आगामी माह नार्वे में होने वाले पैरा विश्व कप प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित हो चुके है। राज्यपाल ने श्री झा की उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने श्री झा को प्रोत्साहन स्वरूप 10 हजार रुपए का चेक भी प्रदान किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों की लॉटरी निकलकर किया आवास आवंटन

पात्र हितग्राहियों को मिलें पक्के मकान, हितग्राही जता रहे है सरकार का आभार

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज जिला कलेक्टर व निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के दिशा निर्देश पर 28 पात्र हितग्राहियों को योजना के नोडल एवं कार्यपालन अधिकारी दिनेश नेताम द्वारा लॉटरी द्वारा आवास आबंटन किया गया।प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से कई परिवारों की जिंदगी बदल रही है। केंद्र और राज्य सरकार की मंशानुरूप समाज के हर नागरिक तक महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है, जिससे समाज के हर वर्ग का समुचित विकास हो सके। प्रधानमंत्री आवास योजना से अब हर व्यक्ति का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है। इससे शहर क्षेत्र के पात्र हितग्राही बहुत खुश हैं और सरकार का आभार जता रहे हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र 28 हितग्राहियो की लॉटरी निकाल कर मकान आवंटन किया गया. प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर आस घटक अंतर्गत आज 28 आवासो का नगर निगम दुर्ग के डाटा सेंटर कार्यालय परिसर में खुली लाटरी पद्धति से आवासो को आबंटित किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मोर मकान मोर आस हेतु दिनांक 26.7.2024 से 14-1-2025 तक आवेदन किए गए प्राप्त जमा राशि अनुसार हितग्राही जिसमें गणपति विहार, सरस्वती नगर, गोकुल नगर पुलगांव तथा मां कर्मा बोरसी हेतु कुल 28 हितग्राहीयों के लिए आज दिनांक 14 जनवरी को लॉटरी के माध्यम से भूतल, प्रथम तल तथा द्वितीय तल के आवासो का आवंटन किया गया।जिसमें गोकुल नगर पुलगांव हेतु 10 हितग्राही सरस्वती नगर हेतु 2 गणपति विहार हेतु 12 तथा माँ कर्मा हेतु तीन हितग्राहियों को लॉटरी निकाल कर मकान आवंटित किया गया।लॉटरी की इस प्रक्रिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी दिनेश कुमार नेताम, सीआईटीसी एक्सपर्ट सचिन, दीपक संचेती, प्रितेश वर्मा, रुक्मणी राजपूत, भीम सिंह तथा रामदास उपस्थित थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी दिनेश नेताम के द्वारा लॉटरी द्वारा मकान आबँटित किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /17514/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 14-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17514
वार्ड का नाम- 02- जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802H00048** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAVAL KISHOR S/O RANVIR SINGH , SANGITA SINGH W/O NAVAL KISHOR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAVAL KISHOR S/O RANVIR SINGH , SANGITA SINGH W/O NAVAL KISHOR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMBUJ MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINESH KUMAR MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./17332/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 14-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17332
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0227O** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRATIK INFRATAKE SUNIL SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O RAM KUMAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री सन्नी कुमार गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री उमेश कुमार गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी वीर **सावरकर नगर, हीरापुर, रायपुर** में निर्मित **एल.आई.जी- II** योजना में से भवन/भूखण्ड क्र. **एल.आई.जी- II/928,** में **श्री जसवंत सिंग पिता श्री महल सिंग,** को स्ववित्तीय/भाडाक्रय / एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 15.11.2007** सेलडीड निष्पादित करा लिया गया है। इनके द्वारा नियुक्त आम मुख्त्यार **श्री सुरजीत सिंग कंग पिता श्री ज्ञान सिंग** कंग के इस कार्यालय के पत्र क्र. **51 दिनांक 01.09.2014** के माध्यम से विक्रय अनुमति प्राप्त कर क्रेता **श्री मनजीत सिंग कंग पिता श्री ज्ञान सिंग** कंग के पक्ष में **दिनांक 02.09.2014** को विक्रय विलेख निष्पादन कर दिया गया है।

वर्तमान में केता **श्री मनजीत सिंग कंग की मृत्यु दिनांक 31.03.2024** को हो जाने के कारण मृतक क्रेता की **पत्नी श्रीमती अमरजीत कौर कंग पति स्व. मनजीत सिंग कंग** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसों **(1. सुश्री सिमरनजीत कौर 2. सुश्री रूपीन्दर कौर 3. श्री गुरसाहिब सिंग कंग तीनो के पिता स्व. मनजीत सिंग कंग)** का सहमति पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन / भूखण्ड **श्रीमती अमरजीत कौर कंग पति स्व. मनजीत सिंग कंग** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक PEEPAL - I/142, श्रीमती सरिता पाटिल पति श्री सुमीत पाटिल,** के नाम से स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 07.04.2011** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र **क्रमांक 4523 दिनांक 29.03.2014** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्रीमती सरिता पाटिल पति श्री सुमीत पाटिल, निवासी- फ्लैट नम्बर सी-1601, अपर्णा पार्क, मरिजद बांडा रोड कोण्डापुर हैदराबाद** के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता (1) सुश्री शैली साहू पिता श्री जुगल किशोर साहू (2) श्री आकाश साहू पिता श्री जुगल किशोर साहू, निवासी- मकान नम्बर-205, बाजार चौक, ग्राम-तोरला, पो.आ. अभनपुर जिला-रायपुर, (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक 2126 दिनांक 07.03.2013** के द्वारा **नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29,** में प्रकोष्ठ **भवन क्रमांक- एम.आई.जी - I फ्लैट, मीड-तल-06/406 को श्री विनोद कुमार साहू पिता श्री रघुनन्दन प्रसाद साहू** के नाम स्व-वित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से **दिनांक 27.02.2015** को लीजडीड का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्री विनोद कुमार साहू पिता श्री रघुनन्दन प्रसाद साहू निवासी:-50/323, बंधवा पारा, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी पति श्री पुरूषोत्तम सेठी निवासी:-533, आर.डब्लू.एफ इस्ट कॉलोनी, न्यू बस स्टाप, बैंगलोर कर्नाटका-560064 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी)** प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: **नवा, रायपुर सेक्टर-29, में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक एम.आई.जी.-I फ्लैट, मीड-तल-06/406** के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक 894 दिनांक 19.03.2015** के द्वारा नवा रायपुर अटल नगर **सेक्टर-29, में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एम.आई.जी. - I फ्लैट, मीड-तल-06/407 को श्री विकास अग्रवाल पिता श्री एम.एल. अग्रवाल** के नाम स्व-वित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से **दिनाक 09.10.2015** को लीजडीड का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्री विकास अग्रवाल पिता श्री एम. एल. अग्रवाल निवासी:-26/432, अमीन पारा, पुरानी बस्ती, ब्रिनदावनगढ़ रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी पति श्री पुरूषोत्तम सेठी निवासी:-533, आर. डब्लू.एफ इस्ट कॉलोनी, न्यू बस स्टाप, बैंगलोर कर्नाटका-560064** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: **नवा रायपुर सेक्टर-29, में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एम.आई.जी. - I** फ्लैट, मीड-तल-06/407 के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास** योजनांतर्गत निर्मित **फ्लैट क्र. एल.आई.जी -152 ब्लॉक 10 प्रथम तल (1) श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव पति श्री महेन्द्र श्रीवास्तव (2) श्री प्रशांत श्रीवास्तव पिता श्री महेन्द्र श्रीवास्तव दोनो निवासी: यादव पारा, वार्ड नं.-24, राजातालाब रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के नार्मातरण आदेश **क्रमांक 2340 दिनांक 19.07.2021** के माध्यम से नामांतरित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 26.05.2016** को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत **पत्र क्रमांक 2456 दिनांक 23.03.2012** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। नामांतरित आंबटी **(1) श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव पति श्री महेन्द्र श्रीवास्तव (2) श्री प्रशांत श्रीवास्तव पिता श्री महेन्द्र श्रीवास्तव,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्री अब्दुल नदीम कुरैशी पिता स्व.श्री अब्दुल रहमान कुरैशी निवासी: शांति नगर रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक 1374 दिनाक 09.03.2012** के द्वारा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29, में **स्वतंत्र भवन क्रमांक- एच.आई.जी.- II/87** को **श्री अमित शर्मा पिता श्री एस.डी शर्मा** के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबटी द्वारा पजीयन कार्यालय रायपुर से **दिनांक 14.12.2021** को लीजडीड (पट्टा विलेंख) का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्री अमित शर्मा पिता श्री एस.डी. शर्मा निवासी- एम.आई.जी.-42. सेक्टर 2, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती सौभग्य लक्ष्मी प्रधान पति श्री हरिहर प्रधान एव श्री हरिहर प्रधान पिता श्री चंद्रमणी प्रधान निवासी:- मंगलघाट गली, मंगला मंदिर के पास, बासेली साही, पुरी, ओडिशा-752001,** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओसी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: **नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित स्वतंत्र भवन क्रमांक- एच.आई.जी.- II/87** के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मये दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **अटल आवास योजनांतर्गत मुनगी फेस-02,** जिला-रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक 413, श्रीमती ज्योति वाधवानी पति प्रकाश वाधवानी,** के नाम से एकमुश्त स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 30.09.2009** पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर **दिनांक 31.01.2013** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्रीमती ज्योति वाघवानी पति प्रकाश वाधवानी, निवासी अवधपुरी भाटागांव रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्री अरूण कुमार वर्मा पिता श्री खिलावन लाल वर्मा, निवासी ग्राम नरदहा, तहसील आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर निर्मित ई डब्लयु एस फ्लैट कालोनी, रायपुर में भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भूखण्डों / भवनों में से भूखण्ड/भवन **क्रमांक EWS FLAT 1/505 Fifth floor श्रीमति ममता मिश्रा पति श्री स्व. राजकुमार मिश्रा** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 9-1-2019** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 16-12-2024** निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री / श्रीमती निर्मल शाह पिता - श्री परिमल शाह** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
दैनिक
विश्व परिवार

बालको ने भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से युवाओं में नवाचार को दिया बढ़ावा'

कोरबा(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कलिंगा विश्वविद्यालय (केआईटी) और केंद्रीय पेट्रोकेमिकल?स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्?थान (सीआईपीईटी) में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 78वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। रायपुर में आयोजित दो दिवसीय मानक कार्निवल में विभिन्न स्कूल के 1,200 से अधिक छात्रों को उद्योग के बारे में जानकारी दी गई। कार्निवाल के आयोजन ने रोजमर्रा की जिंदगी में गुणवत्ता और मानक के महत्व के बारे में जानकारी का मंच प्रदान किया। कार्निवल में इंटरैक्टिव गेम, क्विज, प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दैनिक जीवन में गुणवत्ता चेतना के महत्व पर जोर दिया। आकर्षक स्टॉल के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा के साथ उद्योग की समझ को बढ़ावा दिया। गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ओर प्रोत्साहित करने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने

कहा कि युवा भारत के भविष्य निर्माता हैं। बालको उन्हें आत्मविश्वास और जानकारीपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह पहल वैज्ञानिक रूप से इच्छुक, गुणवत्ता के प्रति जागरूक पीढ़ी को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है जो देश के विकास में योगदान देती है। बीआईएस, रायपुर शाखा कार्यालय के प्रमुख एवं निदेशक श्री सुमित कुमार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सामंजस्य बनाने के हमारे मिशन के लिए आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य छात्रों में उद्योग की समझ विकसित करना तथा गुणवत्ता के प्रति जागरूक व्यक्तियों का एक मजबूत नेटवर्क बनाना है। इस पहल में बालको के महत्वपूर्ण योगदान ने हमारी पहुंच को आगे बढ़ाया तथा यह सुनिश्चित किया है कि गुणवत्ता जागरूकता सभी तक पहुंचे और परिवर्तनकारी बदलाव को प्रेरित करे। बालको के उत्पाद को गुणवत्ता के लिए बीआईएस प्रमाणन प्राप्त है जिसमें 12एमएम वायर रॉड, ईसी इनगॉट, अलॉय इनगॉट, प्राइमरी इनगॉट, रोल्ड शीट और रोल्ड कंडक्टर प्लेट व रोल्ड प्लेट उत्पाद शामिल हैं। यह प्रमाणन बेमिसाल उत्पाद क्वालिटी एवं एल्यूमिनियम उद्योग में निरंतर नवाचार हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। कंपनी को बीआईएस प्रमाणन के साथ सस्टेनेबल एल्यूमिनियम वैल्यू चैन को बढ़ावा देने के लिए एल्यूमिनियम स्टीवर्डशिप इनिशिएटिव (एएसआई) गुणवत्ता मानक प्रमाणन प्राप्त हैं। कंपनी विभिन्न पहल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करता है। वेदांता स्किल स्कूल आवासीय व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र जो विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास प्रदान करता है। लगभग शत प्रतिशत प्लेसमेंट के साथ लगभग 12,000 से अधिक युवाओं को रोजगार योग्य कौशल के साथ प्रशिक्षित किया है जिससे उन्हें स्थायी आजीविका हासिल करने में मदद मिली है। बालको हर साल ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन शिविर का आयोजन करता है, जिसमें 6वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने वाली अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम की श्रृंखला शामिल हैं।

मकर संक्रांति पर भटगांव में माता वाटिका कॉर्नर का किया गया निर्माण

वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम आयोजित

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) लघु भारत भटगांव में मकर संक्रांति के अवसर पर 33 के बी सब स्टेशन में माता वाटिका कॉर्नर का निर्माण किया गया और वहां वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक डी एम बोबडे ने इस खास अवसर पर कहा कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है जो बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हम जिन पौधों को लगाते हैं उसका संरक्षण और संवर्धन भी करना चाहिए।उन्होंने इस सोच और योजना के लिए उप क्षेत्रीय अभियंता शोभित विनायक और अभय देव के के की प्रशंसा भी किया। इस कार्यक्रम में कई अन्य अतिथियों ने भी भाग लिया, जिनमें भटगांव सहक्षेत्र प्रबंधक बी आर बिश्नोई, जगन्नाथपुर सहक्षेत्र प्रबंधक गिरीश कुमार राय, पर्यावरण

प्रबंधन मनोज अग्रवाल, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक अरुण सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक ई एन्ड एम अजय कुमार, खान प्रबंधक अखिलेश कुमार, खान सुरक्षा अधिकारी सीआर सिदार, कार्मिक प्रबंधक एच सानू, खान अभियंता पीके जैन, प्रियांश चौरसिया श्रमिक नेता दिलीप मंडल, सचिन कुमार, हरेंद्र कुमार सिंह, राजेंद्र सिंह, के के विश्वकर्मा, जगन्नाथ शर्मा साहित्य अन्य कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम का संचालन सहक्षेत्रीय अभियंता शोभित विनायक ने किया और आभार प्रदर्शन फोरमैन इंचार्ज भटगांव सब स्टेशन अभय देव के के ने किया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में कालीचरण को मिली बैटरी चलित ट्राई साइकिल

खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की संवेदनशील पहल से एक बीमारी की वजह से चलने फिरने में असमर्थ कालिचरण राम को एक बड़ा सहारा मिला है। आज कैंप कार्यालय में उन्हें बैटरी चलित ट्राई साइकिल प्रदान किया गया। इससे उनमें एक नया आत्मविश्वास का संचार हुआ है, अब वह अपनी दिनचर्या के कार्य करने में स्वयं सक्षम हो सकेगा। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। बीमारी की वजह से लोरो बगीचा, तहसील दुलदुला निवासी कालिचरण राम दोनों पैरों से चलने फिरने असमर्थ थे। अपने दिनचर्या के कामों में भी उन्हें किसी और पर निर्भर रहना पड़ता था। कालीचरण ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में इस संबंध में आवेदन देकर अपनी परेशानियों का जिक्र किया और ट्राई साइकिल प्रदान करने की मांग की। कैंप कार्यालय बगिया में उन्हें आज बैटरी चलित ट्राई साइकिल प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने के साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

उच्च शिक्षा हेतु अम्बिकापुर आवा गमन हेतु एस ई सी एल ने उपलब्ध कराए दो बस

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)--बिश्रामपुर से अम्बिकापुर उच्च शिक्षा हेतु भारी संख्या में छात्र छात्रएं काफी समय से बस सेवा से वंचित थे ,जिसपर पर एन एस यू आई के द्वारा प्रबंधन के समक्ष ज्ञापन सौंप मांग पत्र सौंपा गया था जिसपर प्रबंधन द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर 2 बस ओर छात्र छात्रओं के लिए शुरू करदी है। अब सुबह 6.20 बजे बिश्रामपुर से अम्बिकापुर, सुबह 9 बजे बिश्रामपुर से अम्बिकापुर बस छात्र छात्रओं को ले के जयेगी, तथा वापसी दोपहर 2.20 बजे अम्बिकापुर से बिश्रामपुर ,शाम 4.20 बजे अम्बिकापुर से बिश्रामपुर हेतु बस उपलब्ध होंगी जिसपर एन एस यू आई प्रदेश महासचिव सरफराज खान ने प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है और एस ई सी एल प्रबंधन के द्वारा किये जनहित छात्र हित के कार्य की सराहना की है बस संचालन शुरू होने से छात्रों में खुसी की लहर है।

ऊं सांई रक्तदाता समिति को दरभंगा मेकिया गया सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कोयलांचल भटगांवमें रक्तदान के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवाएं देने वाले समिति ? सांई रक्तदाता समिति सरगुजा संभाग के जरही-भटगांव को समर्पण मिथिला, दरभंगा (बिहार) की ओर से 11 व 12 जनवरी को राष्ट्रीय रक्तदाता प्रतिनिधि सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। इस सम्मेलन में रक्तदान के क्षेत्र में विगत 9 वर्षों से समिति के माध्यम से की जा रही निस्वार्थ सेवाओं के साथ ही समिति ओर से स्वयं रक्तदान करने, गरीबों व जरूरतमन्द लोगों को रक्त उपलब्ध करवाकर लोगों का जीवन बचाने, रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित करने, रक्तदान शिविरों का आयोजन कर अपनी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं। इसके लिए ? साईं रक्तदाता समिति जरही भटगांव सरगुजा संभाग को मिथिला दरभंगा

(बिहार) में दालान रिजोर्ट सोनकी में सम्मानित किया गया । मिथिला में आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता प्रतिनिधि सम्मेलन में राष्ट्रीय रक्तदान जागरूकता कार्यशाला में अपनी प्रस्तुति दी गयी । ? साईं रक्तदाता समिति को रक्तदान के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय सम्मान मिल चुका हैं। ? साईं रक्तदाता समिति वर्ष 2015 से समाज के सेवा से जुड़ कर वृक्षारोपण, रक्तदान, सिकलिंग थैलेसेमिया की जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम, रक्त समूह की पहचान कैम्प, राज्य स्तरीय रक्तदाता सम्मान समारोह, वैश्विक महामारी कोरोना में कार्य किया। ? साईं रक्तदाता समिति के अध्यक्ष भूषण प्रसाद सूर्यवंशी ने बताया की यह सम्मान रक्तदान के क्षेत्र में राष्ट्रीय रक्तदाता प्रतिनिधि सम्मेलन में सम्मानित किया गया इस सम्मान के लिए समिति के प्रतिनिधित्व गिरधारी लाल सूर्यवंशी के द्वारा किया गया यह सम्मान के लिए समिति से गिरधारी लाल सूर्यवंशी को नियुक्त कर इस कार्यक्रम में सम्मलित होने के लिए नियुक्त किया गया द्य ? साईं रक्तदाता समिति के द्वारा समर्पण मिथिला दरभंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मृदुलकुमार शुक्ला व राष्ट्रीय महासचिव दीपक कुमार महथा का आभार व्यक्त किया है।

सीएमओ की अगुवाई में लोगों ने नगर पंचायत कर्मचारियों के साथ मिल कर की सफाई

कचरा फेंकने वाले गंदे हैं हम तो हर नागरिक के बंदे हैं

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार न्यूज)-नगर पंचायत विश्रामपुर में आज मकर संक्रांति के दिन भी वार्ड क्रमांक 6 डिपार्टमेंटल कॉलोनी के दुर्गा पंडाल के आस पास श्रमदान का कार्यक्रम सीएमओ सुशील तिवारी के मार्गदर्शन में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर साफ सफाई का कार्यक्रम किया गया जिसमें स्थानीय वार्ड वासियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह से हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत बिश्रामपुर इन दोनों साफसफाई पर विशेष ध्यान दे रही है आए दिन किसी न किसी वार्ड में लोगों के साथ मिलकर सफाई अभियान चला रही है जिसमें वार्ड वासियों , स्वच्छता दीदियों एवं नगर पंचायत के कर्मचारीयो ने संयुक्त रूप से सफाई का कार्य बड़ी ही उत्साह से कर रहे हैं ।खुशनुमा माहौल में आज वार्ड क्रमांक 6 डिपार्टमेंटल कॉलोनी के गणेश पूजा पंडाल के आसपास स्थानीय लोगों एवं स्वच्छता दीदीओ

द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता दीदियों ने गीले एवं सूखे कचरो को छांट कर अलग-अलग किया साथ ही अपने आसपास में गंदगी न फैलाने एवं साफ सफाई के लिए शहर वासियों को जागरूक किया । स्वच्छता दीदियों ने इस नारे को बुलंद करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया की गंदगी फैलाने वाले गंदे हैं हम सब सफाई करने वाले आपके बंदे हैं। स्वच्छता दीदियों का यह स्लोगन लोगों को खूब भाया। लोगों ने स्वच्छता दीदियों को इस कार्य के लिए भूरी भूरी प्रशंसा की। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएमओ सुशील तिवारी, नगर पंचायत अभियंता तरंग मित्तल,स्वच्छता प्रभारी अरविंद यादव परमेश्वर प्रसाद, विकाश कुमार सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान था।

एक तरफसफाई दूसरी तरफगंदगी फैलाते हैं लोग- उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत बिश्रामपुर के विभिन्न वार्डों में प्रतिदिन दक्षता वीडियो एवं भाइयों द्वारा सफाई अभियान चलाया जाता है परंतु दूसरे दिन ही काटी पर लोगों द्वारा जानबूझकर सड़क के ऊपर ही गंदगी फेंक दी जाती है कुछ बेशर्म प्रवृत्ति के ऐसे भी लोग हैं जो घर के मवेशियों का गोबर सड़क के ऊपर ही फेंक देते हैं तो कुछ घर के कचरे टोकरी में न रखकर स्वच्छता डॉन को न देकर सड़क में फेंक देते हैं जिससे ऐसा लगता है कि मार्ग में सफाई नगर पंचायत द्वारा होती ही नहीं है इन्हीं कर्म से स्वच्छता दीदियों ने यह आवाज बुलंद कि की कचरा फेंकने वाले गंदे हैं हम तो हर नागरिक के बंदे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाभी को बनाया पत्नी फिर कर दी हत्या

सरगुजा(विश्व परिवार)। जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र की कुन्नी तेंदूघाट में एक व्यक्ति ने पहले तो अपनी भाभी को ही अपनी पत्नी बनाया फिर एक दिन शराब के लिए हुए विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कुन्नी तेंदूघाट निवासी मृतिका मान कुंवर अपने पति देव चंद दास से अलग होकर रह रही थी। लगभग 6 महीना पहले मृतका मान कुंवर को उसका देवर विष्णु दास अपने साथ रखने ले गया। दोनों अपने जीवन जी रहे थी इसी बीच रविवार रात घर से 200 मीटर दूर विष्णुदास और मान कुंवर के बीच फिर से शराब को लेकर लड़ाई शुरू हो गई। जिसके बाद मान कुंवर को विष्णुदास मारते हुए घर में लेकर आया और उसके बाद घर पर हुए विवाद के बाद विष्णूदास ने पत्थर से मानकुंवर के सिर और चेहरे पर प्राण घातक हमला कर दिया जिससे अधिक खून बहने से मौके पर मान कुंवर की मौत हो गई। इधर इसका हत्या के बाद विष्णूदास फरार हो गया। दूसरे दिन सोमवार को सुबह लगभग 7:30 बजे मृतिका का देवर सियादास घर पहुंचा तो देखा कि उसकी भाभी खून से लटपथ मृत हालत में पड़ी हुई है और इसकी सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची कुन्नी पुलिस ने पंचनामा कर मृतका के शव का पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया और आरोपी विष्णु दास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

सड़क दुर्धटना में दो युवक की मौत

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के बांगो थाना अंतर्गत मोरगा चैकी क्षेत्र में शनिवार रात ग्राम मदनपुर-पुटा के बीच दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें कोरबी चैकी निवासी गनपत कुर्रे एवं मोटरसाइकिल में पीछे बैठा युवक मिसीया निवासी जीवन कुर्रे की मौत हो गई। दोनों उदयपुर से मेहमानी कर घर कोरबी लौट रहे थे, तभी मोरगा चैकी के ग्राम मदनपुर के पास रात्रि में सामने से तेज रफ्तार वाहन के आने से मार्ग में एक खडी ट्रक के पीछे जोरदार टक्कर हो जाने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की खबर पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शव को बाहर निकाला। 11 जनवरी 2025 को पोस्टमार्टम कराने पोड़ी उपरोड़ा रवाना कर दिया। शवों को पीएम उपरांत उनके परिवारजनों सौंप दिया गया।

भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह के विरुद्ध मामला दर्ज

जशपुर(विश्व परिवार)। जशपुर में एक भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है. बीते दिनों भाजपा नेत्री ने एक सुमुदाय विशेष को लेकर भड़काऊ भाषण दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ. इस भाषण को लेकर उनके खिलाफ शिकायत मिली थी, जिस पर पुलिस ने प्रतिभा सिंह के खिलाफ क्चहृस् की धारा 196 (1-ख), 299, 302 के तहत मामला दर्ज किया है. दरअसल, हाल ही में जिले के ग्राम बगीचा में दुर्गा मंदिर पर बज रहे लाउडस्पीकर को नासिर अली ने बंद कराया था, जिसके बाद हिन्दू संगठन ने हजारों की संख्या में पहुंच कर रैली और आमसभा आयोजित की थी. इसी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेत्री ने समुदाय विशेष को लेकर एक भड़काऊ भाषण दे डाला. उन्होंने अपने भाषण में जशपुर के एक मोहल्ले को मिनी पाकिस्तान कहा था. इस भाषण को लेकर जशपुर के सरवर अली (उम्र 42 वर्ष) ने उनके खिलाफ बगीचा में लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया. अब शिकायत मिलने पर पुलिस ने भाजपा नेत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

वन विभाग में 4 साल बाद भी नहीं मिली मजदूरी

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के वन विभाग में मजदूरी भुगतान का संकट छाया हुआ है। पिछले 4 साल से मजदूर अपना मेहनताना पाने के लिए भटक रहे हैं। कटघोरा वन मण्डल के पसान वन परिक्षेत्र अंतर्गत गोलवा नाला स्टॉपडेम, कलेवा नाला स्टॉपडेम एवं साड़ामार स्टॉपडेम के निर्माण में लगे मजदूरों को वर्षों से मजदूरी भुगतान का इंतजार है। इस मामले में डीएफओ ने उप वनमण्डल अधिकारी को जांच हेतु निर्देशित किया है। इस सम्बंध में 40 मजदूरों ने नोटराइज्ड शपथ पत्र कटघोरा वन मण्डल के अधिकारी कुमार निशांत को सौंपकर भुगतान करने की गुहार लगाई है। मजदूरों ने बताया कि वर्ष 2020-2022 में गोलवा नाला स्टॉपडेम व कलेवा नाला स्टॉपडेम एवं साड़ामार में मजदूरी का कार्य किये थे। प्रथम चरण में गोलवा नाल का 100 दिन एवं कलेवा नाला का 75 दिवस मजदूरी कार्य किये थे एवं साडामार स्टॉपडेम में 75 दिवस कार्य किये थे जिसका भुगतान आज पर्यन्त तक नहीं हो सका है।

संपादकीय

भर्ती की तमाम परीक्षाओं पर संदेह का साया........

उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती की तमाम परीक्षाओं पर संदेह का साया घिरा हुआ है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या इन्हें अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बनना लाजिमी है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की संयुक्त (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल हुए छात्र दोबारा इम्तहान की मांग को लेकर जिस ढंग से जान दांव पर लगाए हुए हैं, उसके कारणों को समझना बेहद जरूरी है। इसके दो प्रमुख आयाम हैः पहला यह कि उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के होने वाली तमाम परीक्षाओं की संदिग्ध हो चुकी है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या गड़बड़ियों के आरोप में इन्हें इतनी बार अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बना चुका है। दूसरा पहलू समाज में अच्छे रोजगार के अवसरों का बेहद सिकुड़ जाना है। इस कारण सरकारी नौकरियां ही स्थिर करियर का एकमात्र आश्वासन रह गई हैं। बिहार एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां निजी कारोबार में सम्मानजनक काम पाने की गुंजाइशें बेहद सीमित हैं, वहां इन नौकरियों को लेकर मारामारी मचने की मिसालें और भी ज्यादा देखने को मिल रही हैं। पटना की सड़कों पर बिहार के विभिन्न इलाकों से आए सैकड़ों छात्र दो हफ्तों से कड़ी ठंड के बीच बीपीएसी परीक्षा को दोबारा आयोजित करने की मांग इसलिए कर रहे हैं, क्यों उन्हें पेपर लीक का शक है। छात्रों ने परीक्षा में कई दूसरी तरह की अनियमितताओं के आरोप भी लगाए हैं। इनमें प्रश्न पत्र के स्तरहीन होने और कोचिंग संस्थानों के मॉडल सवालों के मेल खाने के इल्जाम शामिल हैं। आरोप है कि कई केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा और जैमर काम नहीं कर रहे थे। कुछ केंद्रों पर प्रश्न पत्र देरी से वितरित किए गए। परीक्षा से कुछ समय पहले भी ये छात्र पटना में इकट्ठा हुए थे। तब उनकी मांग थी कि सारे राज्य में एक ही दिन, एक ही समय, और एक ही प्रकार के प्रश्न पत्र पर इम्तहान लिया जाए। विरोध को देखते हुए अलग-अलग केंद्रों पर अलग परीक्षा आयोजित करने का इरादा बिहार लोक सेवा आयोग ने तब टाल दिया था। मगर परीक्षा के बाद दूसरे संदेह खड़े हुए। तो अब छात्रों की चिंताओं पर सहानुभूति से गौर किया जाना चाहिए। उन पर लाठी-डंडा या ठंडे पानी की बौछार चलाना कोई समाधान नहीं है, जैसाकि रविवार को हुआ।

निर्मला पंथ-सप्तसिंधु में नवजागरण यात्रा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

'आज ही सारी तैयारी कर ब्रह्म मुहूर्त में यात्रा करें। घबराना मत, गुरु सदा सर्वदा आपके साथ ही हैं। जो विद्या साधारण जन बारह वर्ष में प्राप्त करते हैं, वही विद्या आप बारह मास में ही प्राप्त कर लोगे। हमारे इस वरदान से आप देश के धुरंधर विद्वान बनेंगे। स्वयं विद्या प्राप्त करने के बाद इसका पंथ में विस्तार करना। जिस प्रकार की आपकी निर्मल बुद्धि है, उसी प्रकार से निर्मला बन कर रहना।' लेकिन गुरु जी जानते थे कि ज्ञान साधना कष्टसाध्य है। इसलिए उन्होंने इन ज्ञान साधकों को खबरदार भी किया कि ज्ञान का मार्ग कष्टसाध्य भी है। वहां मौसम भी आपके अनुकूल नहीं हो सकता। इन सभी बाधाओं को पार करते हुए विजयी होकर आओ। गुरु गोबिंद सिंह जी के इन पांचों शिष्यों ने चौदह साल तक ज्ञान-विज्ञान का गहरा अध्ययन किया और संस्कृत भाषा, दर्शन शास्त्र और इतिहास के पंडित बने। काशी जी में ये पांचों शिष्य जहां रहते थे, वह आज भी चेतन मठ कहलाता है। ज्ञान की साधना से ये सभी आचरण व व्यवहार में गंगाजल की तरह निर्मल हो गए थे। इसलिए वे निर्मला कहलाए बिना ज्ञान साधना के सांस्कृतिक पुनर्जागरण संभव नहीं है। समाज में शौर्य और तेज की ज्वाला प्रचलित करनी होगी तो उसके लिए ज्ञान का आधार तो चाहिए ही। ज्ञान बल की आधारभूमि पर शौर्य बल स्थित हो तभी धर्म की स्थापना हो सकती है। दशम गुरु श्री गोबिंद सिंह जी ने इस कार्य को और विस्तार दिया। उन्हें ज्ञान और शौर्य के सामंजस्य का रास्ता तलाशना था। यही रास्ता भारत का मुक्ति मार्ग बन सकता था। गुरु गोबिंद सिंह जी अपने अनुभव से जानते थे कि संस्कृत का अध्ययन किए बिना उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकती थी। उनके इसी प्रयास में से निर्मला पंथ ने आकार ग्रहण किया। इसकी कहानी भी रुचिकर है और आज भी प्रासंगिक है। निर्मला पंथ के लगभग सभी ग्रंथों में इसका जिक्र थोड़े बहुत हेर-फेर के साथ मिलता है। यह घटना 1686 की है। गुरु जी का निवास उन दिनों पौंटा साहिब में था। गुरुजी ने निर्णय किया कि उनके शिष्यों को संस्कृत का ज्ञान होना चाहिए। तभी ज्ञान की सनातन परंपरा का पुनः प्रवाह इस क्षेत्र में हो सकेगा, जो विदेशी आधिपत्य

से अवरुद्ध हो गया है। गुरुजी ने स्वयं कश्मीर के पंडित कृपा राम से संस्कृत भाषा का गहन ज्ञान अर्जित किया था। वे स्वयं संस्कृत के प्रकांड पंडित थे। संस्कृत भाषा के विद्वान श्री रघुनाथ से प्रार्थना की कि वे उनके शिष्यों को संस्कृत का अध्ययन कराना शुरू कर दें ताकि वे कालांतर में जन भाषा में सनातन ज्ञान परंपरा का प्रसार कर सकें। लेकिन यहां एक बाधा आ रही थी। रघुनाथ ने शिष्यों की बिरादरी (समुदाय) का प्रश्न खड़ा कर दिया। रघुनाथ को लगता था कि गोबिंद सिंह जी जिन शिष्यों को संस्कृत पढ़ाने के लिए कह रहे हैं, उनकी बिरादरियां (समुदाय) सामाजिक दृष्टि से छोटी हैं। रघुनाथ के निर्णय के बाद गुरु जी के पास दो विकल्प थे। पहला विकल्प तो यह था कि वे अपने प्रयास को ही छोड़ देते। दूसरा विकल्प यह था कि वे उस समय की तथाकथित ऊंची बिरादरी के शिष्यों को रघुनाथ के पास भेज देते। लेकिन उन्होंने इन दोनों विकल्पों में से कोई विकल्प नहीं चुना। गुरुजी समझ गए थे कि जिन लोगों को संस्कृत ज्ञान देने से इंकार किया जा रहा था, उन्हीं को संस्कृत ज्ञान दिया जाना सर्वाधिक आवश्यक है, क्योंकि सैकड़ों वर्षों से चले आ रहे विदेशी शासकों ने इन्हीं को सर्वाधिक प्रताड़ित किया था। एटीएम, अर्थात अरब-तुर्क-मुगल के हमलों ने भारत में यह एक नई बीमारी शुरू कर दी थी। जो बिरादरियां हमलावरों से लड़ती रहीं, उन बिरादरियों को जीतने पर हमलावरों ने शिखरों से गिरा दिया। वे बिरादरियां छोटी कही जाने लगीं। विदेशी शासकों ने उन्हें ज्ञान तो दूर की बात है, आजीविका के साधनों से भी वंचित कर दिया। इस कारण से ज्ञान के मामले में वे हाशिए पर आ गई थीं। यही कारण था कि गुरुजी रघुनाथ के इंकार से निराश नहीं हुए। वे जानते थे कि काशी अभी भी ज्ञान प्रदान करने में किसी भी बिरादरी को ऊंचा या नीचा नहीं मानती। इसलिए उन्होंने इन्हीं पांच शिष्यों श्री बीर सिंह जी, श्री गंडा सिंह जी, श्री करम सिंह जी, श्री राम सिंह जी और श्री सैना सिंह जी को संस्कृत भाषा का अध्ययन करने के लिए काशी चले जाने के लिए कहा, जिसे आज भी 'तीन लोक से न्यारी' कहा जाता है। पंद्रहवीं शताब्दी में इसी काशी में श्री रविदास जी ने ज्ञान की निर्मल धारा प्रवाहित की थी और कबीर दास भारतीय समाज में व्याप्त हो गई जड़ता को चुनौती दे रहे थे। इसी काशी में बैठ कर एक दूसरे पंडित गोस्वामी तुलसीदास ने सोहलवीं शताब्दी में अवधी में रामकथा लिख कर 'सर्वजन सुलभ ज्ञान' अभियान चलाया था। अब सत्रहवीं शताब्दी के अंत में गोबिंद सिंह जी के पांच शिष्य वहीं से इस ज्ञान गंगा को सप्त सिंधु की ओर प्रवाहित करने की भागीरथी साधना में जुट गए थे। गुरु जी ने उन्हें भगवा वस्त्र देकर कहा, 'आपको संस्कृत पढने के लिए काशी जी भेज रहे हैं। काषाय वस्त्र धारण कर संन्यासी रूप में वेद शास्त्रों की संस्कृत में सारी विद्या का अध्ययन करो। आज ही सारी तैयारी कर ब्रह्म मुहूर्त में यात्रा करें। घबराना मत गुरु सदा सर्वदा आपके साथ ही हैं। जो विद्या साधारण जन बारह वर्ष में प्राप्त करते हैं, वही विद्या आप बारह मास में ही प्राप्त कर लोगे। हमारे इस वरदान से आप देश के धुरंधर विद्वान बनेंगे। स्वयं विद्या प्राप्त करने के बाद इसका पंथ में विस्तार करना। जिस प्रकार की आपकी निर्मल बुद्धि है, उसी प्रकार से निर्मला बन कर रहना।' लेकिन गुरु जी जानते थे कि ज्ञान साधना कष्टसाध्य है। इसलिए उन्होंने इन ज्ञान साधकों को खबरदार भी किया कि ज्ञान का मार्ग कष्टसाध्य भी है। वहां मौसम भी आपके अनुकूल नहीं हो सकता। इन सभी बाधाओं को पार करते हुए विजयी होकर आओ। गुरु गोबिंद सिंह जी के इन पांचों शिष्यों ने चौदह साल तक ज्ञान-विज्ञान का गहरा अध्ययन किया और संस्कृत भाषा, दर्शन शास्त्र और इतिहास के पंडित बने। काशी जी में ये पांचों शिष्य जहां रहते थे, वह आज भी चेतन मठ कहलाता है। ज्ञान की साधना से ये सभी आचरण व व्यवहार में गंगाजल की तरह निर्मल हो गए थे। इसलिए वे निर्मला कहलाए। गुरु जी द्वारा स्थापित इसी निर्मला पंथ ने गुरुवाणी व्याख्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिख गुरुओं द्वारा दिए गए बलिदानों को अगर याद करें, तो सबसे बड़ा बलिदान गुरु गोबिंद सिंह जी ने ही दिया। दो गुरु पुत्र मुगलों से लड़ाई करते हुए शहीद हो गए, तो दो अन्य गुरु पुत्र दीवारों में जिंदा चिनवा दिए गए। भला इस बलिदान को कौन भूल सकता है? भारत के नवनिर्माण के लिए शहादत की यह गाथा मुगल काल में लिखी गई। भारतीय संस्कृति को त्यागने और मुस्लिम धर्म अपनाने से इंकार करने पर उन्हें यह बलिदान देना पड़ा। इससे पहले गुरु तेग बहादुर जी भी इसी प्रश्न पर अपनी शहादत दे चुके थे। राष्ट्र दोनों गुरुओं के बलिदानों को नमन करता है। हिंदू धर्म और संस्कृति का अस्तित्व बनाए रखने के लिए ये सभी बलिदान दिए गए। शौर्य की यह गाथा लिखते वक्त गुरुओं के चेहरों पर किसी प्रकार की कोई आशंका नहीं थी। उनका लक्ष्य एकदम स्पष्ट था। अपनी संस्कृति और अपने धर्म के लिए लडना है। किसी विदेशी के आगे झुकने का कोई मतलब नहीं था।

कविता

विश्व के आतंकवादियों को.. बांग्लादेश में हिन्दू रोते...

इंजी. अरुण कुमार जैन

परम दयालु, परम कृपालु,
अल्ला को तुम कहते हो,
उसके बंदे बने हो जो तुम,
क्यों फिर हिंसा करते हो?
हर मंदिर को जमींदोज कर,
उस पर मस्जिद बनवा दी,
नरसंहार किया निर्बल का,
कई पीढ़ीयाँ मिटवा दीं.
कैसे परमदयालु के तुम,
अनुयायी खुद को कहते!
परपीड़ाअहसास न जिनको,
उनको क्या इंसा कहते?
अपनी बकरी, अपना कुत्ता,
तुमको जो अति प्यारा है,
क्यों हत्या उनकी करते हो,
जो तुमको नहीं प्यारा है?
सारी दुनियाँ में हत्याएं,
कई संगठन करते हैं,,
सारे ये दुष्कर्म नाम ले,
सब अल्लाह के करते हैं.
अल्लाह तुमको प्यार करेगा,
कैसे तुमने सोच लिया?
परम दयालु के अनुयायी,
हत्याओं के बने सखा !
या उसको न कहो दयालु,
जिसकी पूजा तुम करते,,
या फिर सबको प्यार करो,
जो इस वसुधा पर रहते.
बांग्लादेश के हिन्दू रोते,
क्या उनने अपराध किया?
अपने ही भाई बहिनों पर,
क्यों ये अत्याचार किया?
कश्मीर, केरल, बंगाल में,
हिंसा नित प्रति करते तुम,
पाकिस्तान जिसे कहते हो,
रक्तपात से भरते तुम !
काबुल में अब बहिना,
बेटीं,जार -जार नित रोतीं हैं!
बेबस व लाचार बनी वे,
बाँदी से भी बदतर हैं.
सारा विश्व धिक्कार रहा,

कहीं न यश सुख पाते हो,,
शिक्षा, तकनिकी, विज्ञान में,
सबसे पीछे रह जाते हो.
आदिम युग अब नहीं यहाँ,
इक्कीस वीं सदी कहलाती,,
ए.आई. जैसी तकनीक संग,
दुनियाँ नित आगे बढ़ पाती.
संभलो, छोडो दहशत गर्दी,
सभी प्रभु के बंदे हैं,,
सबसे प्यार करो मिलकर सब,
नेह, प्रेम ही रास्ते हैं.
किसी के आँसू,पीड़ा,बेबसी,
जो तुम अब भी बहाओगे,,
क्रूर काल की मार है घातक,
मिट्टी में मिल जाओगे.
गाजी,गोरी, बाबर,गजनवी,
किसने इज्जत पायी है ?
जो ऋषभदेव से वर्धमान,
श्री राम, कृष्ण ने पायी है.
प्रेम, नेह,अनुराग व ममता,
हर जीव जंतु को प्यारी है,,
सहअस्तित्व सभी को प्यारा,
कीर्ति उनको मिल पायी है.
इसीलिए ये हिंसा छोडो,
मार काट से लो तौबा,,
प्यार करो हर प्राणिमात्र को,
तभी मिलेगी शांति सुधा.
कतरा कतरा कट जायेगा,
रोम -रोम पीड़ा होगी,,
जैसी करनी, वैसी भरनी, हर
ज़ालिम की दशा होगी.

अमृता हॉस्पिटल,
फ़रीदाबाद, हरियाणा.

कमर्शियल टूरिज्म की राह चुने प्रदेश.....

अनुज आचार्य

इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग जैसे कि हस्तशिल्प विक्रेता, रेस्तरां मालिक, वेंडर्स और फुटकर विक्रेता भी रोजगार प्राप्त करते हैं। हिमाचल सरकार को चाहिए कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल, बेहतर कनेक्टिविटी, माइस टूरिज्म जैसे फार्मूलों को आजमाए एक पर्यटक के नाते यदि आप अपने राज्य का ही भ्रमण कर लें तो यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है और कहीं भारत भ्रमण करने की ठान लें तो भला आपसे बड़े जीवट वाला और कौन हो सकता है। घूमना फिरना, नई जगहों पर जाकर रोमांचित होना और नई जानकारियां एकत्रित करना, यह किसी भी यात्रा प्रेमी मनुष्य के लिए किसी सिद्धि अथवा महत्वपूर्ण सफलता पाने से कमतर बात नहीं हो सकती है। आधुनिक दौर में अमीर लोग तो अपने पर्यटन संबंधी शौक पूरे कर ही लेते हैं, वहीं अब कम आय वर्ग, व्यापारी वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवार भी बहुधा सपरिवार अपने निकटवर्ती मशहूर स्थलों या पड़ोसी राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों का दौरा कर रहे हैं। यदि इस पर्यटक वर्ग को सरकारी सेक्टर के होटलों में सस्ते कमरे और स्वादिष्ट भोजन सुविधाएं मिलें तो निश्चित तौर पर हिमाचल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के हिमाचल पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को पहले बंद करने तथा बाद में उन्हें 31 मार्च 2025 तक चलाने की मोहलत देने के आदेशों के आलोक में समझा जा सकता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी कार्यशैली के चलते पर्यटन निगम का अस्तित्व ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है? अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि पर्यटन विभाग के कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर रिफ्रेशर कोर्स करवाकर उन्हें गुणवत्तायुक्त सेवाओं हेतु तैयार किया जाए। भारत आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र तमिलनाडु राज्य है, जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। टॉप टेन की सूची में हिमाचल को पहुंचने के लिए अभी मीलों लंबा सफर तय करना पड़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार और एशियन डिवेलपमेंट बैंक (एडीबी) के मध्य हुए एमओयू के बाद हिमाचल पर्यटन विभाग को 1378 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने जा रही है। प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों, क्रमशः कुल्लू, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और शिमला के पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हेरिटेज इमारतों का जीर्णोद्धार किया जाएगा एवं बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, साहसिक गतिविधियां, वाटर स्पोर्ट्स, टूरिस्ट प्लेस का सौंदर्यकरण, वेलनेस सेंटर, पर्यटकों के मनोरंजन को सुविधाएं, रीवर राफ्टिंग, पैरा ग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, रोलर स्केटिंग रिंग और बाइकिंग ट्रैक्स विकसित किए जाएंगे, लेकिन इन सब कार्यों को पूर्णता में तैयार होने में समय लगेगा। सरकार को चाहिए कि वह पर्यटन को बढ़ावा देने और उसे राज्य की आर्थिकी का महत्वपूर्ण सोर्स बनाने के उपाय पर काम करे। हिमाचल प्रदेश में सरकारी संपतियों का लेखा-जोखा होना चाहिए, जिनमें बीड़ स्थित पार्किंग और पैरा ग्लाइडिंग प्रशिक्षण संस्थान का भवन भी शामिल है। पहले सरकार के पास जो भवन और शौचालय हैं, उनकी मरम्मत, साफ-सफाई और रंग रोगन तो करवाए। आखिर किन उपायों से व्यवस्था परिवर्तन का सपना साकार होगा। अब तपोवन स्थित विधानसभा भवन के निकट एक भूभाग को चिन्हित किया गया है जहां होटल-कम-हॉस्टल का निर्माण हो सके। उसकी चर्चाएं अखबारों की सुर्खियों में हैं, जहां फूड कोर्ट की व्यवस्था भी की जाएगी। अनुमान है कि इससे एक ओर जहां लगभग साल भर बंद रहने वाले विधानसभा भवन की देखरेख हो पाएगी, तो वहीं एंट्री टिकट से भी आय होगी। शीतकालीन सत्र के दौरान विधायकों तथा मंत्रियों आदि के रहने के इंतजाम निजी होटलों में होते हैं जिस पर काफी खर्चा होता है, इससे भी बचा जा सकेगा। यदि इरादे नेक हों तो विचार बुरा नहीं है, लेकिन पहले हिमाचल पर्यटन निगम के होटलों को घाटे से उबारने की कसरत करनी होगी। हिमाचल प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थलाकृतिक विविधता और प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है और पर्यटन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 फीसदी का योगदान देता है। ऐसे समय में जब भारत की राजधानी दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों में वायु एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं, तो वहीं लगभग प्रदूषण रहित हिमाचल का शुद्ध वातावरण बाहरी पर्यटकों के हिमाचल प्रवास के लिए लाभदायी साबित हो सकता है। बस सरकार को पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों शांति, प्राकृतिक सौंदर्यीकरण, परिवहन सुविधाएं, पार्किंग सुविधाएं, आतिथ्य सत्कार, कर्मचारियों का अच्छा विनम्र रवैया, ऐतिहासिक स्थलों तक पहंचने के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए कमर कसनी होगी। यह सच भी है कि पर्यटन अपने सबसे अच्छे रूप में तब होता है जब गंतव्य स्थल अनुकूल जलवायु का दावा करते हों और निःसंदेह हिमाचल इस कसौटी पर खरा उतरता है। सुक्खू सरकार को एक पूर्णकालिक जिम्मेदार पर्यटन मंत्री की तैनाती के बारे में भी सोचना होगा जो व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का माद्दा रखता हो। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जहां होम स्टे, गाइड, टैक्सी ड्राइवर, टूर ऑपरेटर्स, हैंडीक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट, जैम इंडस्ट्री, अभयारण्य, स्थानीय कलाकार, बुनकर समेत विभिन्न सेक्टरों में लोगों को रोजगार के मौके मिलते हैं। इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग जैसे कि हस्तशिल्प विक्रेता, रेस्तरां मालिक, वेंडर्स और फुटकर विक्रेता भी रोजगार प्राप्त करते हैं। हिमाचल सरकार को चाहिए कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल, बेहतर कनेक्टिविटी, माइस टूरिज्म अर्थात।

सहकारिता : एक सतत और समावेशी वैश्विक भविष्य की कुंजी

मुरलीधर मोहोल, केन्द्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन का वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024, सौ से अधिक देशों से आए वैश्विक नेताओं की एक सभा मात्र न होकर कहीं अधिक मायने रखता है; यह एक सतत एवं न्यायसंगत भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (ढ्ढङ्क्ष्ट 2025) का शुभारंभ किया, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है जिसका मूल उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (स्ष्ठत्र) को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यानाकर्षित कराना है। यह वर्ष वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक विमर्श का वह महत्वपूर्ण अध्याय बन रहा है, जहाँ सहकारी समितियों को न केवल स्थानीय विकास के साधन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भी पहचान दी जा रही है। सहकारी मॉडल के मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली अवधारणा निहित है – परस्पर लाभ के लिए एक साथ काम करते लोग। सहकारिता सामूहिक स्वामित्व, साझा जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक निर्णय लेने पर जोर देती है। इन सिद्धांतों ने दुनिया भर में कृषि, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाई हैं। भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं। अपने सहकारी मॉडल के माध्यम से ये सहकारी समितियाँ नेतृत्व की भूमिकाएँ, कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होती है।

सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने में भारत का नेतृत्व

भारत ने लंबे समय से आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सहकारी समितियों के मूल्य को पहचाना है। नई दिल्ली में आयोजित ढ्ढष्ट वैश्विक सहकारी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति ने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ के दौरान उनके संबोधन ने एक आत्मनिर्भर, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण ने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की सहकारी क्षेत्र की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ सहकारी समितियाँ, कृषि और डेयरी फार्मिंग जैसे क्षेत्रों की रीढ़ बनी हुई हैं। श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए लिए जा रहे कदम इस मान्यता को उजागर करते है कि सहकारी समितियाँ केवल अतीत की निशानी नहीं हैं, बल्कि समकालीन आर्थिक और सामाजिक विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

सहकार से समृद्धि का विजन: भारत के सहकारी क्षेत्र का आधुनिकीकरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन ने देश के सहकारी परिदृश्य को नया आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कुशल दिशानिर्देशों में, भारत एक आधुनिक सहकारी ढांचे की ओर बढ़ रहा है जो डिजिटल अर्थव्यवस्था की मांगों के अनुरूप है। सहकारी समितियों की पहुँच और प्रभावशीलता का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रधानमंत्री और सहकारिता मंत्री की सोच तेजी से डिजिटल होती दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सहकारी समितियों का भविष्य, बदलते समय के साथ इनके विकसित होने, और दक्षता में सुधार के लिए आधुनिक उपकरणों को समाहित करने की उनकी क्षमता में निहित है। विश्व जब आर्थिक असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक अशांति से जूझ रहा है, तो सहकारिता, विकास के लिए एक वैकल्पिक मॉडल पेश करती है जोकि समावेशी, लोकतांत्रिक और लचीला है। सहकारी मॉडल का जोर एकजुटता, आपसी सहयोग और लोकतांत्रिक भागीदारी पर है, जो इसे प्रमुख वैश्विक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अद्वितीय बनाता है। सहकारी समितियां वित्तीय लाभ से अधिक लोगों की प्राथमिकताओं पर जोर देती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक गतिविधियों के लाभ और व्यापक रूप से वितरित हो सके, जिससे वंचित सशक्त बनें और सामाजिक अंतर को कम करने में मदद मिले। सहकारिता आंदोलन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर भारत ने खुद को सतत और समावेशी विकास के लिए वैश्विक अधिवक्ता के रूप में स्थापित किया है। संक्षेप में, सहकारिता एक समावेशी और टिकाऊ वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एक अहम भूमिका निभाती है। सहकारिता केवल एक आर्थिक उपकरण नहीं हैं – वह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 'सहकार से समृद्धि' के विजन से ही 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश को एक बेहतर भविष्य दिया जा सकता है । एक ऐसी दुनिया बनाई जा सकती है जहाँ विकास को साझा किया जाता है, जहां असमानताएँ न्यून होती हैं और जहां समुदाय सहकार से सशक्त होकर जनमानस समृद्ध होते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 15 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

संक्षिप्त समाचार

कुंडलपुर में 17 जनवरी को बड़े बाबा उच्चासन दिवस मनाया जाएगा

कुंडलपुर दमोह (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में 17 जनवरी 2025 को पूज्य बड़े बाबा उच्चासन दिवस संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या पूज्य आर्यिकार रत्न श्री मृदुमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में धूमधाम से मनाया जाएगा। ज्ञात हो कि 17 जनवरी 2006 को युगश्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ससंघ पड़गाहन पर बड़े बाबा पुराने मंदिर से गगन विहार करते हुए नये मंदिर में उच्चासन पर विराजमान हुए थे। इस अवसर पर प्रात: भक्तामर महामंडल विधान, पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांति धारा, पूजन, विधान होगा।दोपहर में मिष्ठान वितरण किया जाएगा। सायंकाल भक्तामर दीप अर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती होगी।

मकर संक्रांति पर जैन धर्मावलंबियों ने मनाया जिन बिम्ब दर्शन दिवस

जयपुर (विश्व परिवार)। मकर संक्रांति को जैन धर्मावलंबियों ने जिन बिम्ब दर्शन दिवस मनाया। बडी संख्या में मंदिरों में जाकर जिन बिम्बों के दर्शन, पूजा अर्चना की गई। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मकर संक्रांति जैन धर्म में जिन बिम्ब दर्शन के रूप में माना जाता है। क्योंकि इस दिन भरत चक्रवर्ती ने सूर्य बिम्ब में अक्रत्रिम चैत्यालय के दर्शन किए थे। इसी खुशी में राजा भरत ने अपने कोष के सारे भंडारे दान देने के लिए खोल दिए थे। आज के दिन जैन धर्मावलंबी तीर्थंकर भगवान के दर्शन जरूर से जरूर करते हैं। इस दिन चारों प्रकार के दान में से या करुणा दान में से कुछ ना कुछ दान अवश्य करते हैं। **-विनोद जैन कोटखावदा**

गुरुदेव आचार्यरत्न श्री बाहुबली जी महाराज सेवा समिति कृत अष्टापद तीर्थ, रुकडी में 19 से 25 जनवरी तक भव्य पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव

रुकडी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। भारत कि पावन वसुंधरा पर अनेकों ऋषि मुनीयों ने अपनी पावन चरण धुलि से इस वसुमती को

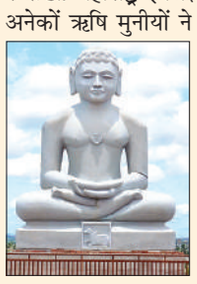

परम पवित्र किया है और समाज को एक नई दिशा प्रदान कि है। इसी श्रृंखला में भारत की भूमी पर ज्ञानरस की वर्षा करने वाले भारत गौरव आचार्यरत्न श्री देशभुषण महाराज जी के शिष्य गुरूदेव आचार्यरत्न श्री बाहुबली महाराज जी द्वारा कि गई धर्मप्रभावना आज समाज के समक्ष उपस्थित है। अनेक ऋषी मुनीयों के तपस्या से पावन तथा आचार्यरत्न श्री बाहुबली महाराज जी का जन्मस्थान रुकडी यह सुविख्यात तीर्थक्षेत्र अनेक लोगों का श्रद्धास्थान है। पश्चिम महाराष्ट्र के कोल्हापूर जिले में हातकणंगले तहसील में रुकडी गांव हैं। गुरुदेव आचार्यरत्न श्री बाहुबली जी महाराज सेवा समिती के सचिव डॉ विजयकुमार पाटील जी, रुकडी ने अवगत कराया की गुरुदेव आचार्यरत्न श्री बाहुबली जी महाराज सेवा समिती कृत अष्टापद तीर्थ, रुकडी में 19 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक आचार्यरत्न श्री बाहुबली महाराज जी के शिष्य आचार्य धर्मसेन महाराज जी एवं चर्या शिरीमणी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ के सानिध्य में पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन किया हैं। गणिनीप्रमुख आर्यिका मुक्तीलक्ष्मी माताजी का अष्टापद तीर्थ, रुकडी का सपना साकार हो गया हैं। आचार्यरत्न बाहुबली महाराज जी के गृहस्थ अवस्था के मित्र श्री शंकर कुंभार गुरुजी ने सन 2005 में रुकडी में एक एकड जगह दान दे दी और समिती द्वारा उनसे एक एकड जगह खरेदी किया। श्री शंकर कुंभार गुरुजीअजैन होकर भी जैन धर्म के श्रावकों की तरह उनका आचरण हैं। बेंगलोर के पास तुमकूर से 300 टन वजन का पत्थर सन 2010 में रुकडी में लाकर प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी की 27 फिट उंची पद्मासन प्रतिमा का निर्माण प्रारंभ किया। सन 2017 में सांगली के आर्किटेक्ट श्री प्रमोद चौगुले जी द्वारा प्लॅन तैयार किया। मुंबई के श्री विजय पापडीवाल जी ने क्रेन की सहायता से 51 फिट की हाईट पर 27 फिट उंची प्रतिमा को विराजमान किया। **-अभिषेक अशोक पाटील**

अपने हितों के साथ-साथ दूसरों के हितों का ख्याल रखे वह मनुष्य है : मुनिश्री प्रमाण सागर जी

इंदौर (विश्व परिवार)। अपने हितों के साथ-साथ दूसरों के हितों का ख्याल रखे वह मनुष्य है, अपने हितों के लिये दूसरों का अहित करने वाला जानवर तथा दूसरों के हितों के लिये अपने हितों का त्याग कर दे वह देवता कहलाता है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने गुमास्ता नगर दि. जैन मंदिर परिसर में मकर संक्रांति दिवस पर प्रात:प्रवचन सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने व्यापार, व्यवहार, खानपान तथा विचारों में सकारात्मकता की बात करते हुये कहा किआम व्यक्ति धन कमाता है तो वह उस धन को मौज मस्ती में उड़ा देता है वंही एक आध्यात्मिक व्यक्ति अपनी फिजूलखर्ची पर रोक लगाकर अपने धन को परमार्थ में लगाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि एक स्थान पर समाज की गौ शाला के लिये पंच लोग चंदा लैने गये उस व्यक्ती ने उन सभी की अच्छी आवभगत की और उनको बैठाया तथा अपनी धर्मपत्नी को दूध गरम कर अतिथियों को दैने का कहा धर्मपत्नी दूध गरम करने के लिये गेंस को जलाने लगी और उसे जलाने में 8-10 माचिस की सींक खराब हो गई तो सेठजी ने अपनी धर्मपत्नी को सबके सामने डांटते हुये कहा कि तुमने एक सींक के स्थान पर आठ दस सींक का नुकसान कर दिया? सेठजी के उक्त व्यव्हार से जो लोग चंदा लैने आऐ थे वह सकपकाऐ कि कंही उन्होंने गलत स्थान से चंदा की शुरुआत तो नहीं कर दी खैर सभी लोगों ने दूध पिया और संकुचाते हुये गौ शाला के लिये सेठजी के सामने कागज रख दिया और उसमें ग्यारह हजार रूपये लिख दिये सेठजी ने कागज को देखा औरअंदर गये तथा पचास पचास हजार की दो गडडीयां लाकर उन्होंने रख दी और कहा कि यह एक लाख रुपये मेरी ओर से इस पुण्य कार्य के लिये है यदि और भीआपको जरुरत महसूस हों तो मुझे बताइयेगा सेठजी के व्यवहार को देख सभी पंच हतप्रभ थे और उन्होंने पूंछ ही लिया कि अभी अभी तो आपने एक माचिस की आठ दस काड़ी के लिये अपनी धर्मपत्नी को सबके सामने डांट दिया और दान के लिये हमने आपसे ग्यारह हजार लिखे थे और आपने एक लाख रुपये

दे दिये यह बात हमारी कुछ समझ नहीं आई? तो उन्होंने कहा कि में फिजूलखर्ची को तो बिल्कुल पसंद नहीं करता और अच्छे कार्य के लिये जो भी सहयोग मेरे से हो सकता है वह में तुरंत देता हूं तब सभी पंचो ने उनकी भावनाओं को धन्यवाद देते हुये कहा कि अध्यात्म तो आपके विचारों से ही प्रकट हो रहा है जो व्यक्ति अपने संसाधनों का तथा समय का सही उपयोग परमार्थ के लिये करता है वहीअपने धन का तथा समय का सही सदुपयोग करता है मुनि श्री ने कहा कि कोई भी घटना घट जाऐ तो कभी निमित्तों को दोष मत दैना बल्कि अपनी ओर दृष्टि करना शायद मेरे से ही कोई त्रुटि हुई है। उन्होंने कहा कि अपनी सोच कोआध्यात्मिक बनाइये यदि आपकी सोच आध्यात्मिक होगी तो छोटी छोटी बातें आपको प्रभावित नहीं करेंगी,मुनि श्री ने कहा कि दूसरों को धोखा दैने बाला व्यक्ती दूसरों को धोखा बाद में देता है सबसे पहले वह स्वं को धोखा देता है जो दूसरों के हितों का ध्यान रखता है वह व्यवहारिक सोच का धनी कहलाता है, मुनि श्री ने व्यवहार के संद्रभ में कहा कि अक्सर देखा जाता है कि जिसके साथ हमारी सोच प्रतिकूल होती है,उनसे हमारा व्यवहार नकारात्मक हो जाता है तथा जिसके साथ सोच अनूकूल है उसके साथ हमारा व्यवहार सकारात्मक रहता है, उन्होंने कहा कि जीने का मजा तो तब है जब हम प्रतिकूल व्यक्तिओं के साथ भी अपने व्यव्हार को सकारात्मक रखें,जो व्यक्ति धर्माचरण का पालन करता हैं उसके आचरण से ही एक सदी हुई जीवन शैली तथा सकारात्मक विचार झलकते है इसीलिये सदिओं से यह बात चली आई है जैसा खावे अन्न बैसा होगा मन, जैसा पीवे पानी बैसी होगी बाणी यदि आपका खानपान सात्विक तथा आपकी जीवनशैली सकारात्मक है तो आप हमेशा रख पाऐंगे, हित मित एवं सात्विक भोजन ग्रहण करने बाला व्यक्ति कभी बीमार नहीं पड़ता, इसीलिये कहा गया है कि एक बार खाने बाला योगी दो बार खाऐ वह भोगी तथा बार बार खाने बाला रोगी होता है।उन्होंने कहा किअपनी मानसिकता को बदलो आवश्यक सुविधाओं के साथ जीवन को सकारात्मक बनाओ,इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर महाराज तथा समस्त क्षुल्लक गण मंचासीन थे। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कार्यक्रम का संचालन बाल ब्र. अभय भैया एवं अनामिका बाकलीवाल ने किया इस अवसर पर धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी,नवीन आनंदगोधा महामंत्री हर्ष तृप्ति जैन,मुकेश विजय पाटौदी,सहित बड़ी संख्या में गुमास्ता नगर सुदामा नगर के समाज वंधु मौजूद थे। **-अविनाश जैन**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस पर शहीद परिवारों का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के पगुराबहार गांव में आयोजित 9 वें सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस पर सेना के वीर जवानों के साहस और बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपनी वीरता का प्रदर्शन कर राष्ट्रपति द्वारा सेना मेडल से सम्मानित भागलपुर निवासी 81 वर्षीय श्री अरुण कुमार का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंटकर उनके अदम्य साहस की सराहना की। अरुण कुमार ने अपने युद्ध के अनुभव साझा कर देशसेवा के गौरवशाली क्षणों को याद किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के तीन शहीद सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया। इनमें शहीद सिपाही शिमोन केरकेट्टा, शहीद राजेश बारा और शहीद अशोक राम भगत के परिजन शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इन परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। शहीद हवलदार शिमोन केरकेट्टा की पत्नी तेरेसा केरकेट्टा को चलने में हो रही कठिनाई को देखते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें व्हीलचेयर प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने शहीद सिपाही शिमोन केरकेट्टा के अदम्य साहस को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 1966 में मिजोरम में देश के दुश्मनों से लड़ते हुए प्राणों की आहुति दी। वहीं शहीद राजेश बारा ने 2002 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। शहीद अशोक राम भगत ने 2020 में सिक्किम के ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के दौरान देश की रक्षा करते हुए शहादत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों के बलिदान और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय सशस्त्र सेनाओं के पहले कमांडर इन चीफ फील्ड मार्शल के. एम. करियप्पा के योगदान को याद करते हुए कहा कि सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस हमारे जवानों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। यह दिन शांति और स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष और बलिदान को स्मरण करता है।

पर वचन समझ कर नहीं प्रिय वचन सुनकर आत्मसात : आर्यिका माताजी

आज होगा वर्धमान महावीर मांगलिक भवन का शिलान्यास

जीवन को अच्छा वनने के लिए सतत् प्रयास करना होगा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। पर वचन समझ कर नही प्रिय वचन जान कर अपना हित मानते हुए सुनकर आत्मसात करोगे तो जीवन में बदलाव आयेगा वरना तो जिस ढ़र्रे में आप जीये जा रहे हैं वहीं चलता रहेगा इसमें आपकी कोई ग़लती नही है जन्म जन्म पुरूषार्थ करने पर ये दुर्लभ से भी दुर्लभ मनुष्य जीवन मिला है इसे चांदी के चंद खनते सिक्को आश में गंवा दिया तो फिर मिलने वाला नहीं है ये तो कार्य शाला है इसे अपनी जीवन शैली में उतार लेना उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आर्यिका रत्न श्री सृष्टिभूषण मतिमाताजी ने व्यक्त किए।

माता जी के सान्निध्य में हम करेंगे नवीन भवन का शिलान्यास- इसके पहले धर्म सभा में जैन समाज के मंत्रीशैलेन्द्रआगरने कहाकि कल हम श्रीवर्धमान धर्मशाला को नया रूप देने जा रहे हैं इसका शिलान्यास माता जी के सान्निध्य में हम कल पन्द्रह तारीख को प्रात: काल की वेला में करने जा रहे हैं इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अशोकनगर के हृदय स्थल भगवान महावीर मार्ग स्टेशन रोड की धर्मशाला को आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ समाज के बीच पुर्ननिर्माण के संकल्प को हमारे अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं जिसमें आप सभी की मुख्य भूमिका है आइये हम सब मिलकर माता जी को सान्निध्य में इसे आगे बढ़ायें इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई ने समाज की ओर से श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यहां सुना यही झणाया इससे जीवन में बदलाव आने वाला नहीं है- इस दौरान आर्यिका श्री विश्वजयमति माता जी ने कहा कि यही सुना यही झणाया कर घर चले गए तो जीवन में बदलाव नहीं होगा जीवन में परिवर्तन चहेते हो जहां जो कुछ भी मिले उसमें से जो अच्छा लगे उसको अपने जीवन में जोड़ते चले गए एक एक कड़ी जोड़नी रहेंगी और धीरे धीरे ही सही हमारा जीवन अच्छा वनता चला जायेगा जीवन को अच्छा वनने के लिए कोई पहाड़ तोड़ने की आवश्यकता नहीं है जो कुछ भी मिला है उसे हम व्यवस्थित करते चले जाते इतना ही पर्याप्त है इस दौरान निर्मल मिर्ची अरविंद कचनार सौरव बाझल विमला जैन सहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित थे।

बृहन्महाराष्ट्र मंडल पांच अप्रैल 2025 से मनाएगा शताब्दी महोत्सव

महोत्सव के लिए विविध समितियों का गठन, तैयारियां शुरू

दिल्ली स्थित मंडल सदनिका का किया जाएगा जीर्णोद्धार

रायपुर (विश्व परिवार)। बृहन्महाराष्ट्र मंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक महाराष्ट्र मंडल चौबे कॉलोनी में संपन्न हुई। बैठक में बृहन्महाराष्ट्र मंडल के स्थापना को सौ वर्ष पूर्ण होने पर आगामी पांच अप्रैल 2025 से पांच अप्रैल 2026 तक शताब्दी महोत्सव मनाए जाने का फैसला लिया गया। इस शताब्दी समारोह का शुभारंभ 12 अप्रैल 2025 को झांसी से होगा।

बृहन्महाराष्ट्र मंडल के कार्यवाह दीपक कर्पे ने बताया कि वार्षिक अधिवेशन के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में बीते वर्ष के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से बृहन्महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष मिलिंद महाजन इंदौर, उपाध्यक्ष शेखर रावसाहेब अमीन, प्रधान कार्यवाह दिलीप कुंभोजकर जबलपुर, कार्यवाह, दीपक कर्पे देवास, कोषाध्यक्ष जीके दातार हैदराबाद और अहमदाबाद से पहुंचे सहकोषाध्यक्ष अशोक कापूरे सहित पूरी कार्यकारिणी उपस्थित थीं।

कर्पे ने आगे बताया कि बैठक में बृहन्महाराष्ट्र मंडल के वार्षिक अहवाल के वाचन की स्वीकृति दी गई। शताब्दी महोत्सव को लेकर अध्यक्ष डा. प्रमोद जोशी कानपुर द्वारा विविध समितियों के गठन की जानकारी साझा की गई। वहीं दिल्ली स्थित मंडल सदनिका के जीर्णोद्धार के लिए बजट स्वीकृत कर प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में आगामी अधिवेशन पर कार्यकारिणी ने अपने विचार रखे। बृहन्महाराष्ट्र मंडल के वार्षिक सामान्य सभा में उपस्थित विभिन्न राज्यों से महाराष्ट्र मंडल रायपुर पहुंचे पदाधिकारी।

बाबा भगवान राम ट्रस्ट द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर में सैंकड़ों मरीजों ने कराई आंखों की जांच

गरीब जरूरतमंदों को बांटे कम्बल, 19 जनवरी को अलोरी में शिविर

जशपुर (विश्व परिवार)। बाबा भगवानराम ट्रस्ट ब्रम्हनिष्ठालय सोगड़ा के वर्तमान अध्यक्ष पूज्य गुरूपद संभव राम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के वृद्ध जनों आदि के लिए प्रारंभ कराये गये चक्षु अभियान के अंतर्गत किये जाने वाले नेत्र चिकित्सा शिविर का इस वर्ष का प्रथम शिविर रविवार को ग्राम पैकू विकाखण्ड जशपुर के माध्यमिक शाला के प्रांगण में आयोजित किया गया।

इस शिविर में कुल 468 मरीजों का जांच की गयी। जिनमे 266 मरीजो का नेत्र परीक्षण कर 190 मरीजों को ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क पावर वाले चश्मा वितरित किये गये वही अन्य रोगों के 201 मरीजों का परीक्षणोपरांत नि:शुल्क दवाईयां भी प्रदान की गयी। शिविर में लगभग 75 मरीजों का ब्लड शुगर आदि की भी जांच की गयी। मरीजो का नेत्र परीक्षण श्रीमती सविता नंदे जशपुर एवं सुनील एक्का, गुमला द्वारा किया गया। अन्य रोगों के लिए डॉ. राजेश कुमार सिंह वरिष्ठ चिकित्सक जशपुर ने अपनी सेवाये प्रदान की। शिविर में पैकू के आसपास के ग्राम जिलिंग राता माटी सरडीह आदि से आये मरीज उपस्थित थे। इस शिविर में ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद वृद्धजनो के बीच कम्बल का भी वितरण किया गया।

शिविर को सफल बनाने में प्रवीण कुमार सिन्हा, संकुल समन्वयक जशपुर, कमल दुबे लेखापाल सर्व शिक्षा अभियान जशपुर, विरेन्द्र सिन्हा, सहायक कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान जशपुर सत्यम सिंह नायक, संकुल समन्वयक, जशपुर के साथ -साथ श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा गुमला के अजय प्रसाद, आश्रम कुमार, संजय महापात्र, अजय सिन्हा, कृष्ण कुमार गुप्ता, मोहन, मुन्ना, एवं गम्हरिया आश्रम के सतेंद्र सिंह (मामा) संतोष मिश्र, संजय अखौरी, अखिलेष यादव, शंकर यादव, वेद प्रकाश तिवारी, आकाष उरांव, आषीष उरांव प्रवीन्द्र कुमार सिंन्हा, सौम्या अखौरी आदि का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में ट्रस्ट का अगला शिविर दिनांक 19 जनवरी को शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अलोरी विकासखण्ड मनोरा जिला जशपुर में प्रस्तावित है।

मूकमृत्तिका महाकाव्य एवं धीवरोदयम् चम्पूकाव्य का भव्य लोकार्पण समारोह एवं राष्ट्रीय विद्वत्संवाद सफलता पूर्वक हुआ सम्पन्न

सम्पूर्ण मानवता के लिए एक अमूल्य निधि है आचार्यश्री का साहित्य : आचार्य श्री समयसागर जी महाराज

निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभयसागर जी महाराज ने सुनाए अनेक अविस्मरणीय दुर्लभ संस्मरण

सतना (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्यश्रेष्ठ श्री विद्यासागर जी महाराज की कालजयी कृति मूकमाटी के संस्कृत अनुवाद मूकमृत्तिका एवं धीवरोदयम् चंपूकाव्य का भव्यातिभव्य लोकार्पण समारोह व राष्ट्रीय विद्वत्संवाद 11 व 12 जनवरी 2025 को दो दिवसीय आयोजन सतना, मध्यप्रदेश में दिगम्बर जैन समाज सतना के आयोजकत्व में परमपूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज जी महाराज, निर्यापक श्रमण श्री अभयसागर जी महाराज, आर्यिका श्री ऋजुमती माता जी सहित 16 मुनिराज, 11 आर्यिका, 11 क्षुल्लक जी के मङ्गल सान्निध्य में अभूतपूर्व सफलता के साथ संपन्न हुआ। संयोजक डॉ ब्र. धर्मेन्द्र भैया, जयपुर एवं डॉ. सोनल कुमार जैन, दिल्ली रहे। निर्देशक पंडित सिद्धार्थ जैन, सतना एवं प्रबंध संयोजक पंडित महेश जैन सतना रहे। संतशिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की समाधि के उपरान्त उनकी जीवन्त स्मृतियों की छाया में उनकी कालजयी कृतियों पर दो दिन में चार सत्रों में सारगर्भित चर्चा- परिचर्चा हुई।

मूकमृत्तिका एवं धीवरोदयम् चंपूकाव्य का भव्यातिभव्य लोकार्पण : इस मौके पर 11 जनवरी को मूकमृत्तिका का भव्य लोकार्पण विद्वानों एवं अतिथियों द्वारा किया गया। मूकमाटी का संस्कृत अनुवाद संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड विद्वान प्रोफेसर अभिराज राजेन्द्र मिश्र, शिमला ने किया है। धीवरोदयम् चंपूकाव्य का विमोचन 12 जनवरी को अतिथियों और विद्वानों द्वारा किया गया। कृतियों के कुशल

संपादक प्रोफेसर जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, डॉ. ब्र. धर्मेन्द्र कुमार जैन, जयपुर एवं डॉ. सोनल कुमार जैन, दिल्ली ने कृतियों का विमोचन कराने के बाद आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के कर कमलों में एक-एक प्रति भेंटकर आशीर्वाद लिया।

सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य निधि आचार्यश्री का साहित्य : इस अवसर पर आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने कहा कि आगम अथाह है, श्रुत का अंत नहीं है, समय कम है। मूकमाटी क्या कह रही है इसको समझो। गुरुदेव ने जो कहा है वह आत्मसात हो जाय तो मूक माटी की सार्थकता है। पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज अवर्णनीय साधक थे। उनको तलस्पर्शी ज्ञान था।

आचार्यश्री ने कहा कि मन को संयमित करना बहुत कठिन है। जो ज्ञान के साथ-साथ चारित्र के क्षेत्र में आगे बढ़ता है उसी का मन संयमित हो सकता है। आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी ने कहा था कि तुम पुण्य के उदय में दीक्षित हो गए हो लेकिन मन को संयमित रखना। आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महाराज ने साधना के साथ-साथ साहित्य का सृजन किया। आचार्य विद्यासागर जी की विद्वत्ता, तपस्या, और आध्यात्मिक उत्कर्ष का प्रतिबिंब उनके साहित्य में देखा जा सकता है। मूकमाटी महाकाव्य में आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी ने अपनी गहन आध्यात्मिक समझ और ज्ञान के ताने -बाने को बड़ी ही रोचकता से काव्य के माध्यम से साझा किया है। गुरुदेव के साहित्य में जीवन की सार्थकता, आध्यात्मिक जागृति और आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाने वाले विचारों का समावेश है। दो दिवसीय विद्वत्संगोष्ठी में सबने आनंद की अनुभूति का अनुभव किया है, यह अवर्णनीय है। आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने संगोष्ठी में आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महाराज से जुड़े अनेक प्रसंग भी सुनाए। आचार्यश्री द्वारा दिये गये सारगर्भित प्रवचनों से अपने मन और इन्द्रियों को जीतकर संयमित होकर मनुष्य पर्याय सार्थक करने का प्रभावी सन्देश सभी को प्राप्त हुआ है।

आयोजन में निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभयसागर जी महाराज के तथ्यपरक संस्मरणात्मक प्रवचन एक अविस्मरणीय दुर्लभ उपलब्धि रही है। उन्होंने बताया कि आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महाराज सहजता और सरलता से अपनी बात हम शिष्यों को सिखा देते थे। गुरुदेव की प्रेरणा से 156 गौशालाएं चल रही हैं। दयोदय एक्सप्रेस का नाम आचार्यश्री की प्रेरणा से ही हुआ था। **-डॉ. सुनील संचय**

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम में एक आरोपी अवैध शराब के साथ पकड़ाया जिसके खिलाफ कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 12 जनवरी को पुलिस स्टाफ देहात भ्रमण के लिए निकले थे,तभी भ्रमण दौरान पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम दर्रापारा निवासी गौतम चकधारी अपने घर के आंगन में अवैध रूप से बिकी वास्ते कच्ची महुआ शराब छुपाकर रखा है।इस सूचना पर पुलिस टीम मुखबीर के बताये स्थान पर जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया जो गौतम चकधारी के कब्जे से 10 लीटर वाली सफेद रंग के 2 नग प्लास्टिक जरिकेन में पूरा भरा कुल 20 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 4000 / रू0 कच्ची महुआ शराब भरा मिला।मौके पर छ0ग0 आबकारी अधिनियम में निहित समस्त प्रावधानों का पालन करते हुए मौके पर कार्यवाही कर पृथक-पृथक पंचनामा तैयार किया गया। उक्त मादक द्रव्य कच्ची महुआ शराब को अपने कब्जे में रखने के सम्बंध में गौतम चकधारी को धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस दिया गया।जो शराब रखने बिकी करने के संबंध में कोई दस्तावेज नही होने पर विधिवत गवाहों के समक्ष 10 लीटर वाली प्लास्टिक जरकीन में भरे कुल 20 लीटर कच्ची महुआ शराब को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपी गौतम चक्रधारी पिता जनक राम चक्रधारी उम्र 35 साल ग्राम दर्रापारा थाना गरियाबंद के विरुद्ध 34 (2) छ0ग0 आबकारी अधिनियम का अपराध घटित करना पाये जाने पर आरोपी को जेल भेजा गया।उक्त कार्यवाही में एएसआई टीकाराम ध्रुव,प्रधान आरक्षक रामकृष्ण साहू का सहयोग रहा।

कोंटा महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

सुकमा(विश्व परिवार)। शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक 12 जनवरी को युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को प्राष्ट्रीय युवा दिवस 2025ष् के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद जी के तैल्यचित्र में दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण प्रो. शशिकांत ध्रुवे समाजशास्त्र एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों एवं स्वंयसेवकों से कहा कि हम स्वामी विवेकानंद जी के बताये आदर्शों एवं विचारों को अपनाकर अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव - 2025 के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग - 2025 कार्यक्रमष् में माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर रोहिणी चौरे, दलनायक पुष्पराज नायक, यशवंत कुमार, पांडरूम संतोष सहित सभी संकायो के विद्यार्थीगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जयंती के कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ट्रांसफर रूकवाने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। राजनांदगांव के जिला चिकित्सालय में काम करने वाली नर्स एवं एक अन्य का ट्रांसफर रूकवाने के नाम पर लाखों रूपयों की ठगी करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने आरापी को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके खिलाफ धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत् अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया सकुन जैन पति विजेन्द्र कुमार जैन उम्र 44 साल निवासी गोकुल नगर, थाना बसंतपुर ने दिनांक 11.01.2025 को थाने में लिखित शिकायत देकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह वर्ष 2019 से सितम्बर 2024 तक जिला अस्पताल राजांदगांव में स्टॉफ नर्स के पद पर कार्यरत् रही। इसी दौरान आरोपी साहिल जैन 03-04 बार उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती हुआ था। उसी दौरान उसकी एवं आरोपी की जान पहचान हुई। आरोपी को भर्ती के दौरान के यह पता हुआ कि प्रार्थिया का स्थानांतरण जिला चिकित्सालय राजनांदगांव से शहीद महेन्द्र कर्मा स्मृति चिकित्सालय जगदलपुर हो गया है किंतु प्रार्थिया अपना ट्रांसफरर रूकवाना चाहती है। आरोपी ने इस बात का फायदा उठाकर कर प्रार्थिया एवं उसके सहकर्मी का स्थानांतरण आदेश में संशोधन कराने का विश्वास दिलाया और दोनों से कुल 3 लाख 25 हजार रूपये ले लिये। इसके बाद जब प्रार्थिया एवं उसके सहकर्मी का ट्रांसफर नही रूका तो उन्हें ठगे जाने का एहसास हुआ और इसकी शिकायत दर्ज कराई। धोखाधड़ी की शिकायत पर थाना बसंतपुर मे आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत् अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामला पंजीबद्ध होने के बाद पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के मार्गदर्शन एव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के दिशा निर्देश पर निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम तैयार कर, आरोपी साहिल जैन पिता महेन्द्र जैन निवासी अनुपम नगर गली नंबर 02, शंकर मंदिर के पास राजनांदगांव, थाना बसंतपुर को मुखबीर की सूचना के आधार पर घेराबंदी कर पकड़ा गया।

नए मेला स्थल में होगा भव्य राजिम कुंभ कल्प का आयोजन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। राजिम कुंभ कल्प 2025 के आयोजन के संबंध में आज महत्वपूर्ण बैठक राजिम के सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई। बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर दीपक अग्रवाल सहित धमतरी महासमुंद एवं रायपुर सहित गरियाबंद जिले के वरिष्ठ अधिकारी गण शामिल हुए। बैठक में राजिम कुंभ कल्प मेला भव्य तरीके से आयोजित करने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बार लगभग 52 एकड़ क्षेत्र में फैले नया मेला स्थल में राजिम कुंभ कल्प का आयोजन किया जाएगा। नया मेला स्थल में मेलार्थियों के लिए सभी सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। वहां पर मुख्य मंच बनाए जाएंगे। साथ ही दुकान, विभागीय स्टॉल एवं मीना बाजार भी लगाए जाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए वृहद स्तर पर पार्किंग भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा हेलीपैड भी बनाया जाएगा। बैठक में मौजूद विधायक साहू, संभाग आयुक्त कावरे एवं कलेक्टर अग्रवाल ने राजिम कुंभ कल्प की तैयारी के संबंध में समीक्षा करते हुए सभी कार्य जल्द शुरू कर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधायक साहू ने राजिम कुंभ कल्प मेला को भव्य तरीके से आयोजित करने सभी व्यवस्था अच्छे से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त कावरे ने रायपुर, महासमुंद, धमतरी सहित गरियाबंद जिले के अधिकारियों को मेला के संबंध में समन्वय कर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर अग्रवाल ने जिले के अधिकारियों को मेला के संबंध में दिए गए दायित्वों को तत्परता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, उप संचालक संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रतापचंद पारख सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में संभाग आयुक्त कावरे ने बताया कि राजिम मेला 12 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित की जाएगी। गंगा आरती स्थल से नए मेला स्थल तक नदी किनारे कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं के आने-जाने में आसानी होगी। इसके लिए उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही घाट निर्माण, मरम्मत एवं आसपास साफ सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पुराने स्थल में केवल संत समागम एवं गंगा आरती का आयोजन होगा। इसके अलावा सभी आयोजन एवं गतिविधियां नए मेला स्थल में आयोजित की जाएगी। पुराने स्थल पर कोई भी अस्थाई दुकान लगाने की अनुमति नहीं होगी। सभी अस्थाई दुकान नई जगह पर लगाई जाएगी। संभाग आयुक्त कावरे ने नए स्थल पर लगने वाले मीना बाजार एवं पार्किंग स्थल के लिए टेंडर प्रक्रिया के लिए जरूरी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुकानों का आबंटन एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित के द्वारा की जाएगी।

ग्राम कसपुर मेला एवं अकलाडोंगरी साप्ताहिक बाजार में दी गई यातायात नियमों की जानकारी

धमतरी(विश्व परिवार)। भारतमाला रोड परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड कैम्प बेधवा पथरा में थाना दुगली व दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड के अधिकारी व स्टॉफ के द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर किया गया विभिन्न गतिविधियों का आयोजन शहर के चौक-चौराहों में वाहन चालकों को पाम्पलेट वितरण कर यातायात नियमों का पालन करने किया गया प्रेरित। रॉग साईड चलने वाले वाहन चालको को समझाईश देकर यातायात नियमों का कराया गया पालन। रत्नाबांधा चौक में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वाहन चालकों, आमजन को यातायात नियमों का पालन करने किया गया प्रेरित। सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 35 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें थाना बोराई पुलिस व थाना अकलाडोंगरी पुलिस के द्वारा क्रमशः ग्राम कसपुर मेला एवं ग्राम अकलाडोंगरी के साप्ताहिक बाजार में पहुंचकर ग्रामीणजन को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि छोटी-छोटी सड़क सुरक्षा उपाय को अपना कर सड़क दुर्घटना से बची जा सकती है जैसे दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चले, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाये वाहन ना चलायें, मालयान में सफर न करे, मोबाईल फोन का उपयोग करते वाहन नही चलायें, ओवरस्पीड से वाहन नही चलायें, रांग साईड वाहन नही चलायें आदि नियमों के बारे में बताकर यातायात नियमों का पालन करने अपील की गई। भारतमाला परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड द्वारा थाना दुगली के पुलिस टीम की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा के विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें आस-पास के ग्रामों बेधवापथरा, खैरभरी, गोंदलानाला के ग्रामीणों एवं भारतमाला रोड परियोजना में कार्यरत लोगों को यातायात नियमों का पालन करने एवं सड़क सुरक्षा उपकरण हेलमेट, सीटबेल्ट का उपयोग करने बताया गया। शहर के चौक-चौराहों में यातायात जागरूकता रथ के माध्यम से आरक्षक गणपत डिंडालकर, सैनिक राकेश बारले एवं सउनि सुरेश नेताम, चन्द्रशेखर देवांगन, आर. संदीप यादव के द्वारा सिग्नल में रूकने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों से संबंधित पाम्पलेट वितरण कर स्टाप लाईन में वाहन खड़े करने, लेफ्ट टर्न फ्री रखने, सिग्नल पर रूकने के दौरान वाहन का इंजन बंद करने, बताकर यातायात नियमों का पालन कराया गया। अंबेडकर चौक में सउनि. भेनूराम वर्मा, प्रआर. जितेन्द्र कृदत्त, आर. जीवन लाल साहू के द्वारा, रांग साईड से वाहन चलाकर आने वाले वाहन चालकों को रोककर रांग साईड से वाहन चलाने से सड़क दुर्घटना की घटना घटित हो सकती है, समझाईश देकर यातायात नियमों का पालन कराते हुए सही साईड में आने वापस भेजा गया।

बाइक से खतरनांक स्टंट करना युवक को पड़ा भारी, राजनांदगांव पुलिस ने पकड़ा

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तब तत्काल सायबर सेल एवं बसंतुपर व यातायात पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ा

युवक को थाना लाकर लगाई जमकर फटकार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। दिनांक 11.01.2025 एवं 12.01.2025 को आरोपी करन नागपुरिया पिता ओमप्रकाश नागपुरिया उम्र 21 साल निवासी दीनदयाल कॉलोनी चिखली गली नं. 02 राजनांदगांव द्वारा महाराणा प्रताप चौक से आर.के.नगर चौक तक खतरनाक तरीके से बाइक में स्टंट कर विडियों बनाकर वाट्सअप स्टेटस लगाकर सोशल मीडिया मे वायर किया गया था। जिस पर सायबर सेल एवं बसंतपुर व यातायात पुलिस द्वारा पतासाजी कर दिनांक 12.01.2025 को डीयूके वाहन क्रमांक ष्ट्र-07-क्ड्ड-8717 बाईक सहित आरोपी को पकड़ कर थाना बंसतपुर लाकर फटकार लगाकर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184, बिना हेलमेट धारा 194 (घ), तेज गति से वाहन चलाने धारा 183(1)(क), बिना नंबर धारा 50(2), मौके पर कागजात पेश नही करना 130(3)/177 के तहत कार्यवाही कर 4100/-रूपये जुर्माना वसूला गया। यातायात पुलिस की आम जनता से अपील है कि यातायात नियमो का पालन करें, ओव्हर स्पीड न चलाये, स्टंटबाजी न करें। नियंत्रित गति में वाहन चलाये एवं सुरक्षित रहें।

दृष्टिबाधित छात्र से मोबाईल छीन कर भागने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले के बसंतपुर थानाक्षेत्र के शीतला मंदिर राजनांदगांव के पास से एक दृष्टिबाधित छात्र से मोबाईल छीन कर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा मोबाईल बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रोशन लाल नागवंशी जो कि एक दृष्टिबाधित छात्र है ने थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव दिनांक 27.11.2024 को लिखित शिकायत आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव का छात्र है। दिनांक 27.11.2024 को यह सुबह कॉलेज से जाते समय शीतला मंदिर राजनांदगांव के पास एक एक्टिवा सवार व्यक्ति आया और बात करने के बहाने प्रार्थी से उसके मोबाईल को मांगा तथा जैसे ही रोशन ने अपना मोबाईल निकाला युवक झपटा मार कर मोबाईल लेकर भाग गया। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अज्ञात आरोपी के विरूद्व भारतीय न्याय संहिता की धारा 304 बीएनएस पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी की सरगर्मी से पतातलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबीर के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति लूटे हुए मोबाईल को बेचने के फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस मुखबीर के बताये स्थान पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। नाम पता पूछने पर युवक ने अपना नाम मोनू दाहले उर्फ बल्लू उम्र 25 साल निवासी शांतिनगर, गली नं0 01 पुलिस चौकी चिखली, जिला राजनांदगांव का रहने वाला बताया। जिसके बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने घटना दिनांक को दृष्टिबाधक छात्र से मोबाईल झपटमारी करना कबूल किया।

अखिल ब्रह्मांड के नायक प्रभु श्री राम के कथा रसपान हमारे जीवन का प्रकाश पुंज है : सांसद रुप कुमारी चौधरी

मर्यादित जीवन का सार है श्रीरामचरितमानस कथा : रंजना साहू

धमतरी(विश्व परिवार)। महान संत धर्म उद्धारक गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित भगवान श्री रामचंद्र जी की मानस कथा का आयोजन पूरे क्षेत्र में हो रहा है, इसी तारतम्य में त्रिदिवसीय संगीतमय मानस गान सम्मेलन का आयोजन गोकुलपुर वार्ड धमतरी में आयोजित हुआ, जिसके समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद रूप कुमारी चौधरी उपस्थिति रही, कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू रही। सर्वप्रथम अतिथियों ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी की छाया प्रतिबिंब पर पूजा अर्चना कर पुष्प अर्पित किए। मंचासीन होने के उपरांत सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प कुछ भेंट कर आयोजक समिति के द्वारा किया गया। अतिथि उद्बोधन में सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि अखिल ब्रह्मांड नायक प्रभु श्री राम कि कथा श्रीरामचरितमानस कथा रसपान हमारे जीवन का प्रकाश पुंज है, जिसके श्रवण करने मात्र से हमारा जीवन सफल हो जाता है। पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि मर्यादित जीवन का सार है प्रभु श्री राम के जीवन पर आधारित श्रीरामचरितमानस कथा, जहां-जहां राम कथा गूंज मन होता है वह पावन भूमि बन जाती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ संयोजक महेंद्र पंडित, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष शशि पवार, समाजसेवी विपिन पवार, प्रकाश गोलछा, धनीराम सोनकर, प्रकाश शर्मा, निलेश लुनिया, हेमंत बंजारे, ईश्वर सोनकर, विजय साहू, संतोष सोनकर, हेमंत सोनकर, प्रीतराम सोनकर, महेश साहू, राजेंद्र साहू, राजकुमार नेताम, लेख राम नेताम, भगवान सिंह, जीवन साहू, नेहरू यादव सहित बड़ी संख्या श्रोतागण उपस्थित रहे।

स्व-सहायता समूह की दीदियों के लिए बना सरस मेला मिल का पत्थर

84.40 लाख रुपए से अधिक का व्यवसाय हुआ 9 दिनों में

घरेलू सामानों से लेकर जैविक खाद्य सामग्रियां पसंद कर रहे लोग

छत्तीसगढ़ियां व्यंजन खूब लुभाया लोगों को, समूह की दीदियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में दी बेहतरीन प्रस्तुति

रायगढ़(विश्व परिवार)। शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम रायगढ़ में पहली बार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बिहान कार्यक्रम अंतर्गत क्षेत्रीय सरस मेला-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बिहान की महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। सरस मेला में रायगढ़ समेत छ.ग. के सभी 33 जिलों से बिहान की महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां एवं अन्य राज्यों जैसे-झारखण्ड, बिहार, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, असम, महाराष्ट्र की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया है। सरस मेला में 224 से अधिक स्टॉल लगाये है, जिनमें 268 से अधिक महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया है। सरस मेला स्व-सहायता समूह की दीदियों के मिल का पत्थर साबित हो रहा है। सरस मेला में अब तक कुल 84.40 लाख से रूपये से अधिक की बिक्री 11 जनवरी 2025 तक की गई है। जिसमें छ.ग. से 62 लाख 75 हजार रूपये से अधिक महिला स्व-सहायता समूह के दीदियों ने अपने द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन एवं बिक्री किए हैं। बिहार से 4.13 लाख, उत्तरप्रदेश 4.03 लाख, मध्यप्रदेश 3.54 लाख, महाराष्ट्र 3.03 लाख, झारखण्ड 2.77 लाख, हरियाणा 1.98 लाख, पंजाब 1.50 लाख एवं असम 61 हजार रुपए से अधिक बिक्री की गई है। छ.ग. से सर्वाधिक बिक्री रायगढ़ जिले से लगभग 14.77 लाख रूपये की गई है, साथ ही जांजगीर चांपा से 10.74 लाख रूपये, कोरबा से 3.40 लाख, बस्तर एवं धमतरी से 3 लाख से अधिक की बिक्री की गई है। सरस मेला का मुख्य आकर्षण का केन्द्र छ.ग. के स्थानीय व्यजंन ठेठरी, मुरकु, हिरवा रोटी, डुसका, फरहा, चिला, आईसा, पीठा, गुलगुला भजीया, देहाती बड़ा, चौसेला, ठेकुवा आदि रहा। सरस मेला में रायगढ़ के एकताल एवं बस्तर के धातु शिल्प कला को लोगों ने काफी सरहा। बस्तर के लाल चावल, लोकटी, माच्छी चावल, बस्ता भोग चावल, काला चावल, सुरजपुर एवं सरगुजा का जीराफुल चावल, बीजापुर का जिंक राईस, की काफी मांग देखी गई, जो कि सभी जैविक खाद से उत्पादित है। जशपुर की मौहुवा चवनप्राश, कटहल कुकी, रागी कुकी, ग्रीन टी एवं महुआ टी बैग की मांग देखी गई। सरस मेला कार्यक्रम न सिर्फ उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री तक ही सीमित नही था इस मेले में स्व-सहायता समूह की दीदियों के लिये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बॉक्स क्रिकेट, बॉक्स बैडमिंटन, रस्साकस्सी, कुर्सी दौड़, मटका फोड़, निशाने बाजी जैसे खेलों का भी आनंद दीदियों ने उठाया कार्यक्रम में रायगढ़ जिले के स्कूली बच्चों एवं स्वशायी संस्थाओं, जिले, छ.ग.राज्य एवं अन्य राज्य के स्व-सहायता समूह के दीदियों के द्वारा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसे बाहर से आये दर्शकों ने काफी सराहा। सरस मेला का समापन छत्तीसगढ़ के प्रथम पारंपरिक त्यौहार छेरछेरा के साथ किया जाएगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 15 जनवरी 2025

व्यापार समाचार

एप्पल के लिए भारत में शानदार रहा 2024, 1 लाख करोड़ रुपये मूल्य वाले आईफोन हुए निर्यात

नई दिल्ली(एजेंसी)। सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के चलते, एप्पल ने कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत से 1 लाख करोड़ रुपये (1 ट्रिलियन) मूल्य के आईफोन निर्यात किए हैं। शुरुआती उद्योग अनुमानों के अनुसार, एप्पल ने पिछले साल 2024 में 12 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो 2023 से 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि है। अनुमानों के अनुसार, एप्पल का घरेलू उत्पादन एक साल पहले की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ा है। क्यूपर्टिनो स्थित टेक दिग्गज ने पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2024) में भारत में 14 बिलियन डॉलर के आईफोन मैन्युफैक्चर और एसेंबल किए, जिसमें 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन का निर्यात किया गया। इस बीच, एप्पल इकोसिस्टम ने चार वर्षों में 1,75,000 नई प्रत्यक्ष नौकरियां भी पैदा की हैं, जिनमें 72 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। 2024 भारत में एप्पल के लिए बेहतरीन रहा। इस तकनीकी दिग्गज ने निर्यात के साथ-साथ घरेलू बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए, जो प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड, सरकार की पीएलआई योजना और एग्रेसिव खुदरा विस्तार से जुड़ी थी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले एक साल में भारत में एप्पल के रणनीतिक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं और बाजार में इसका महत्व बढ़ा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च में मोबाइल डिवाइस और इकोसिस्टम के शोध निदेशक तरुण पाठक के अनुसार, एप्पल ने युवाओं की पसंद का ख्याल रखते हुए एक मजबूत कंज्यूमर कनेक्ट स्थापित किया। कंपनी ने चैनल, मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार के साथ मार्केटिंग कैंपेन पर भी खास ध्यान दिया और भारत में एक बड़ी हिस्सेदारी हासिल की। पाठक ने कहा, भारत में प्रीमियमाइजेशन, आसानी से उपलब्ध फाइनेंसिंग, प्रीमियम स्मार्टफोन की खरीदारी को बढ़ाता है। जिसके साथ एप्पल इस विशेष सेगमेंट पर ध्यान केंद्रित कर फायदा उठाता है।

अगले हफ्ते खुलेंगे पांच नए आईपीओ

मुंबई (एजेंसी)। इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) में निवेश के लिए इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए खुशखबरी है। अगले हफ्ते पांच नए पब्लिक इश्यू लॉन्च होने वाले हैं। इसमें एक मेनबोर्ड और चार एसएमई आईपीओ होंगे। मेनबोर्ड कैटेगरी में लक्ष्मी डेंटल का आईपीओ 13 जनवरी को खुल रहा है और 15 जनवरी तक आम निवेशक इसमें बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 407 रुपये प्रति शेयर से लेकर 428 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ का इश्यू साइज 698.1 करोड़ रुपये होगा। इसमें 138 करोड़ रुपये फ्रेश इश्यू और 560.1 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल है। इसका अलॉटमेंट 16 जनवरी और लिस्टिंग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) एवं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 20 जनवरी को हो सकती है। ईएमए पार्टनर्स इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 17 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 21 जनवरी को बंद होगा, जिसका प्राइस बैंड 117 रुपये से 124 रुपये प्रति शेयर के बीच है। इस इश्यू में 66.14 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 9.87 करोड़ रुपये का ओएफएस शामिल है। लैंड इमिग्रेशन कंसल्टेंट्स लिमिटेड का पब्लिक इश्यू 16 जनवरी को खुलेगा और 20 जनवरी को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 70 से 72 रुपये प्रति शेयर है। यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है, जिसका लक्ष्य 40.32 करोड़ रुपये जुटाना है। रिखव सिक्योरिटीज लिमिटेड भी 15 जनवरी को अपना आईपीओ लॉन्च करेगा, जो 17 जनवरी को बंद होगा। 88.82 करोड़ रुपये के इश्यू में फ्रेश इश्यू और ओएफएस शामिल है। इसका प्राइस बैंड 82 से 86 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। काबरा ज्वेल्स लिमिटेड का आईपीओ 15 जनवरी को खुलेगा और 17 जनवरी को बंद होगा। इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 121 से 128 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस इश्यू का साइज 40 करोड़ रुपये है। इसके अलावा आने वाले हफ्ते में आठ आईपीओ लिस्ट होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नॉर्टजे और एनगिडी की दक्षिण अफ्रीका टीम में वापसी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी जोड़ी एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगीडी ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वनडे टीम में वापसी की है। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होगा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में है, जहां उनके साथ अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें हैं। नॉर्टजे और एनगिडी ने चोटों के कारण पूरे घरेलू सीजन में कोई मैच नहीं खेला था। नॉर्टजे अपने बाएं पैर की उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं, जबकि एनगिडी ग्रोइन की चोट से ठीक होकर मैदान पर लौटे हैं। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी टेम्बा बावुमा करेंगे। इस टीम में 10 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीम का हिस्सा थे। टोनी डी जोरजी, रायन रिक्लटन, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर को पहली बार किसी बड़े 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। टीम कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, हमारी टीम में अनुभवी खिलाड़ियों की भरमार है, जिन्होंने दबाव भरे मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अनुभव ऐसे बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम होता है। हमने अपनी विश्व कप टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है और कुछ नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा, आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमारे हाल के प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि हम ग्लोबल टूर्नामेंट्स के अंतिम दौर तक पहुंचने की क्षमता रखते हैं। इस बार हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतने का है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड (सीएसए) ने यह भी बताया कि इमरान खान, जो हाई-परफॉर्मेंस बैटिंग लीड हैं, इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी कोच के रूप में टीम के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा होंगे। रॉब वॉल्टर ने कहा, हम इमरान का स्वागत करते हैं। उनका अनुभव हमारी बल्लेबाजी को और मजबूत करेगा और टीम को बेहतर बनाने में मदद करेगा। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला मैच 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 25 फरवरी को रावलपिंडी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा और 1 मार्च को कराची में इंग्लैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच खेलेगा। ग्रुप ए और बी से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट पाकिस्तान और यूएई में खेला जाएगा। 2017 के बाद पहली बार यह ट्रॉफी हो रही है। पाकिस्तान वर्तमान चैंपियन है, जिसने 2017 के फाइनल में भारत को हराया था।

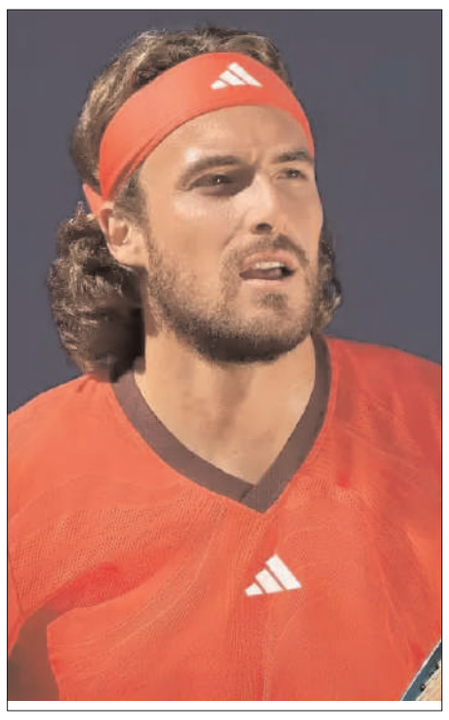

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मिशेलसन ने सितसिपास को शुरुआती दौर में बाहर कर किया बड़ा

मेलबर्न(एजेंसी)। एलेक्स मिशेलसन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने पूर्व फाइनलिस्ट स्टेफानोस सितसिपास को 7-5, 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट की पहली बड़ी जीत दर्ज की। 20 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने सटीक खेल दिखाते हुए अपने करियर की पहली टॉप-20 जीत हासिल की और ग्रैंड स्लैम के बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मिशेलसन ने आक्रामक और रचनात्मक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे सितसिपास पूरे मैच के दौरान दबाव में रहे। उनके शानदार ग्राउंड स्ट्रोक और रिस्क लेने की रणनीति ने सितसिपास को उनकी पहली सर्व पर ही लय बनाने का मौका नहीं दिया। मिशेलसन के डाउन-द-लाइन बैकहैंड और फोरहैंड विनर्स ने उनको मुकाबले में बहुत आगे कर दिया। उन्होंने कुल 46 विनर्स मारे, जिसमें 8 ऐस शामिल थे। मैच के बाद मिशेलसन ने कहा, मैंने खुद को शांत रखने की कोशिश की। मुझे पता था कि यह एक कठिन मुकाबला होगा, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं जीत सका। यह सब मानसिकता पर निर्भर करता है। मैंने सही मानसिकता के साथ खेला और अपनी रणनीति को अच्छे से अमल में लाया। हालांकि, चौथे सेट में खेल में थोड़ा ड्रामा देखने को मिला। 4-2 से आगे होने के बावजूद, मिशेलसन ने तीन लगातार डबल फॉल्ट किए, जिससे उनकी सर्विस टूट गई और सितसिपास ने सेट को 5-5 पर बराबर कर लिया। लेकिन सितसिपास ने भी एक अहम मौके पर डबल फॉल्ट किया, जिससे मिशेलसन को ब्रेक प्वाइंट मिला। मिशेलसन ने इस मौके का फायदा उठाते हुए सेट और मैच अपने नाम किया और दूसरे दौर में जगह बनाई। इस जीत के साथ मिशेलसन एटीपी लाइव रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 41वें स्थान पर पहुंच गए। यह सितसिपास के खिलाफ उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने पिछले साल टोक्यो में भी सितसिपास को हराया था। लगातार बड़े खिलाड़ियों को हराने के उनके प्रदर्शन से उनकी क्षमता का अंदाजा लगाया जा सकता है। मिशेलसन अब दूसरे दौर में स्पेनिश क्वालिफायर मार्टिन लैंडालूस और ऑस्ट्रेलियन वाइल्ड कार्ड जेम्स मैककैब के बीच विजेता से भिड़ेंगे।

भारतीय फिनटेक सेक्टर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा 'फंडेड इकोसिस्टम', 2024 में जुटाए 1.9 बिलियन डॉलर

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय फिनटेक सेक्टर ने 2024 में 1.9 बिलियन डॉलर जुटाए हैं। इसी के साथ अमेरिका और यूके के बाद देश के फिनटेक सेक्टर ने ग्लोबली तीसरे सबसे बड़े फंडेड फिनटेक इकोसिस्टम के रूप में अपनी पहचान बनाई। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। प्रमुख मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तीसरी तिमाही वर्ष की सबसे अधिक फंडेड तिमाही रही, जिसमें 805 मिलियन डॉलर जुटाए गए, जो कि 2023 की तीसरी तिमाही की तुलना में 61 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अतिरिक्त, वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान कुल फंडिंग का 59 प्रतिशत सुरक्षित किया गया, जो कि वर्ष के अंत में रिकवरी का संकेत देता है। अगस्त फंडिंग के लिए सबसे मजबूत महीना रहा, जिसने 434 मिलियन डॉलर का योगदान दिया। ट्रैक्सन की सह-संस्थापक नेहा सिंह ने कहा, वैश्विक फंडिंग में मंदी के बावजूद, भारत का फिनटेक इकोसिस्टम लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित करना जारी रखा। 2024 में दो नए यूनिकॉर्न और रिकॉर्ड आठ आईपीओ का उभरना चुनौतियों के बीच सेक्टर की क्षमता को दर्शाता। इस साल आठ आईपीओ और दो यूनिकॉर्न के साथ 26 अधिग्रहण हुए। सिंह ने कहा, जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, सेक्टर इन सफलताओं पर निर्माण करने के लिए तैयार है, फाइनेंशियल इंक्लूजन और इनोवेशन को बढ़ावा देते हुए फिनटेक स्पेस में ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। 2024 में फंडिंग परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया, जिसमें तीन 100 मिलियन डॉलर से अधिक फंडिंग राउंड दर्ज किए गए। डिजिटल लेंडिंग सॉल्यूशंस ने वर्ष के दौरान जुटाई गई कुल फंडिंग का 64 प्रतिशत हिस्सा लिया। इंवेस्टमेंट टेक सेगमेंट ने 320 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई। बेंगलुरु ने 2024 में फिनटेक फंडिंग के लिए शीर्ष केंद्र के रूप में अपना नेतृत्व बनाए रखा, इसके बाद मुंबई और दिल्ली का स्थान रहा। फिनटेक परिदृश्य को आकार देने में विनियामक विकास ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कमिंस के खेलने को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं : जॉर्ज बेली

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने स्वीकार किया कि उन्हें यह नहीं पता है कि पैट कमिंस आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। हाल ही में कमिंस ने अपने टखने की जांच कराई थी, फिलहाल उनकी फिटनेस की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। कमिंस श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में शामिल नहीं हैं क्योंकि उनकी दूसरी संतान का जन्म हुआ है। तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ 3-1 की सीरीज जीत के दौरान अपने टखने की समस्या से जूझ रहे थे। कमिंस को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का कप्तान चुना गया है। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू हो

रहा है। हालांकि, टीम अपने पहले मैच से एक हफ्ते पहले तक बदलाव कर सकती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा के बाद मीडिया से बात करते हुए बेली ने कहा, मुझे अभी कोई नई जानकारी नहीं मिली है। मैंने टेस्ट टीम की घोषणा करते वक्त जो बताया था, वही मेरे पास है। मुझे लगता है कि कमिंस ने अपनी जांच करा ली है, लेकिन मैं उन्हें थोड़ा समय देना चाहता था। जांच के नतीजों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। कमिंस खेलने को लेकर उत्सुक हैं, लेकिन हमें इस पर काम करना होगा। आईसीसी के नियमों के चलते हमें इतनी पहले टीम का ऐलान करना पड़ता है। कमिंस के लिए अभी कोई तय तारीख नहीं है। अगर कमिंस नहीं खेलते हैं तो टी20 कप्तान और ऑलराउंडर मिशेल मार्श चैंपियंस ट्रॉफी में कप्तानी कर सकते हैं। वहीं, युवा ओपनर जेक फ्रेजर मैकगर्क को टीम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा स्कोर नहीं कर पाए।

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट ने 2024 में की शानदार वापसी, बिक्री 4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में 2024 में बिक्री को लेकर सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक जबरदस्त वापसी हुई। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मैक्रोइकोनॉमिक सुधारों के बाद पिछले वर्षों की तुलना में कंज्यूमर सेंटीमेंट बेहतर रहा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इससे पहले 2023 में स्मार्टफोन की बिक्री एक दशक में सबसे कम रही। रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, स्मार्टफोन एक जरूरी प्रोडक्ट बना हुआ है, जो लोगों के रोजाना की जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। जैसे-जैसे मैक्रोइकोनॉमिक दबाव कम हुआ, बाजार ने 2023 की चौथी तिमाही से रिकवरी के संकेत दिखाने शुरू कर दिए और अब लगातार पांच तिमाहियों से बढ़ रहा है। यूरोप, चीन और लैटिन अमेरिका के नेतृत्व में लगभग सभी मार्केट में वृद्धि देखी गई। सैमसंग ने 2024 में बाजार का नेतृत्व करना जारी रखा। कंपनी की एस24

सीरीज और ए-सीरीज प्रोडक्ट लाइनों की मजबूत मांग बनी रही। रिपोर्ट के अनुसार, एस24 सीरीज एआई डिवाइस के रूप में पेश किया गया पहला फोन है, जिसने अपने पिछले सभी मॉडल से बेहतर प्रदर्शन किया। पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में इसे खास तौर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एप्पल ने दूसरा स्थान हासिल किया। एप्पल की आईफोन 16 सीरीज को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, जिसका कारण लॉन्च के समय एप्पल इंटेलिजेंस की उपलब्धता की कमी थी। हालांकि, एप्पल ने लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया-प्रशांत-अन्य जैसे अपने गैर-प्रमुख बाजारों में मजबूती से विकास जारी रखा। शाओमी ने 2024 में शीर्ष पांच ब्रांडों में सबसे तेजी से विकास किया। रिपोर्ट में कहा गया है, ओप्पो सालाना गिरावट के साथ चौथे स्थान पर आया, लेकिन इसने साल का अंत मजबूत गति के साथ किया। भारत और चीन में मजबूत प्रदर्शन के कारण वीवो टॉप पांच में शामिल हुआ, जहां इसने साल का अंत शीर्ष रैंक वाले ओईएम के रूप में किया। रिपोर्ट के अनुसार, जबकि जेनएआई-इनेबल्ड स्मार्टफोन अभी प्रीमियम सेगमेंट तक ही सीमित हैं, हम उम्मीद करते हैं कि जेनएआई मिड-रेंज डिवाइस के लिए भी एक मानक बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, हमें उम्मीद है कि 250 डॉलर से ज्यादा कीमत वाले दस में से नौ स्मार्टफोन जेनएआई-इनेबल्ड होंगे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बॉब लिक्विड सावधि जमा की शुरुआत की: जो आंशिक रूप से आहरण की सुविधा के साथ सावधि जमा योजना को नए सिरे से परिभाषित करेगी

रायपुर। आज के परिवर्तनशील वित्तीय परिवेश में, ग्राहक जमा संबंधी ऐसे नए सॉल्यूशंस चाहते हैं जो सुनिश्चित और प्रतिस्पर्धी रिटर्न, लिक्विडिटी और फ्लेक्सिबिलिटी का मिश्रण हों। बचतकर्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने पारंपरिक सावधि जमा (एफ्डी) के लिए एक अनूठा विकल्प- बॉब लिक्विड सावधि जमा पेश किया है। बॉब लिक्विड सावधि जमा, सामान्य सावधि जमा से ज़्यादा रिटर्न कमाने के फ़ायदों को बचत खाते से जुड़ी आसान लिक्विडिटी की सुविधा के साथ जोड़ता है। यह जमाकर्ताओं को पूरी एफ्डी बंद किए बिना आंशिक आहरण की सुविधा प्रदान करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपनी आकस्मिक वित्तीय ज़रूरतों को आवश्यकता पड़ने पर पूरा कर सकते हैं, जबकि शेष राशि में उसी एफ्डी में अनुबंधित दर पर ब्याज प्राप्त होती रहती है। यह जमाकर्ताओं को अधिक रिटर्न, पूर्व भुगतान कम जुर्माना और आवश्यकता पड़ने पर धनराशि की तुरंत उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

बदलती वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना- भारत के वित्तीय परिदृश्य में ग्राहकों के व्यवहार में महत्त्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ग्राहक अधिक फ्लेक्सिबल जमा उत्पादों की तलाश में हैं जो रिटर्न और लिक्विडिटी दोनों को प्राथमिकता देते हैं। चाहे किसी अप्रत्याशित आपात स्थिति से निपटना हो या किसी अप्रत्याशित खर्च को पूरा करना हो, बॉब लिक्विड सावधि जमा योजना सावधि जमा को बंद किए बिना आंशिक आहरण की सुविधा देती है। उदाहरण के लिए, 5.00 लाख की बॉब लिक्विड सावधि जमा में, ग्राहक समय से पहले 1.00 लाख निकाल सकता/सकती है। 4 लाख की शेष जमा राशि पर पूर्व अनुबंधित दर पर ब्याज मिलता रहेगा और ग्राहक को पूर्व भुगतान जुर्माना, यदि लागू हो, तो केवल 1 लाख की निकाली गई राशि पर देना होगा, न कि पूरी राशि पर।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने एंट्रेंस टेस्ट: SET 2025 & amp; SITEEE 2025 के माध्यम से अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नईदिल्ली। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) (एसआईयू) ने सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (SET) और एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (SITEE) 2025 के माध्यम से अपने अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उम्मीदवार 12 अप्रैल 2025 तक ऑफि शियल पोर्टल के ज़रिए अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। इस टेस्ट में उम्मीदवारों को दो मौके मिलते हैं, जिसमें उनके सर्वश्रेष्ठ स्कोर को वैद्य माना जाता है। प्रवेश परीक्षा 5 मई 2025 और 11 मई 2025 को होगी, परिणामों की घोषणा 22 मई 2025 को की जाएगी। सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (SET) और एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (SITEEE) एक घण्टे की कम्प्यूटर- आधारित प्रवेश परीक्षा है जो विभिन्न विषयों में छात्रों के एप्टीट्यूड का मूल्यांकन करती है। हर परीक्षा में उम्मीदवारों को दो अटेम्प्ट मिलते हैं। भारत के 80 शहरों में आयोजित होने वाली यह परीक्षा बड़ी संख्या में छात्रों के लिए सुलभ है। सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (SET) में जनरल इंग्लिश, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, जनरल अवेयरनैस और एनालिटिकल एवं लॉजिकल रीज़निंग का मूल्यांकन किया जाता है। वहीं एसआईटी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (SITEEE) परीक्षा इंजीनियरिंग के उम्मीदवारों के लिए है जो फिज़िक्स, कैमिस्ट्री और मैथेमेटिक्स में छात्रों की क्षमता का मूल्यांकन करती है। दोनों परीक्षाओं में तीन से चार सेक्शन्स में 60 बहु-विकल्पी सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें नेगेटिव मार्किंग नहीं होती। ऐसे में छात्र आत्मविश्वास के साथ सभी सवालों के जवाब दे सकते हैं। विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ये टेस्ट छात्रों को मूल्यांकन का तनावरहित एवं व्यापक अनुभव प्रदान करते हैं।

योग्यता के मापदण्ड : सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट (स्श्रज्ञ) 2025 के लिए ज़रूरी है कि छात्र ने बारहवीं (10 प्लस 2) या समकक्ष बोर्ड परीक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंक या समकक्ष ग्रेड (एससी/एसटी के लिए 45 फीसदी) प्राप्त किए हों।

रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट ने 27 सप्ताह के फीटल (भ्रूण) पर डिवाइस क्लोजर के साथ दुनिया का पहला सफल फीटल एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी किया

रायपुर। मेडिकल के क्षेत्र में एक शानदार सफलता हासिल करते हुए, रेनबो चिल्ड्रेन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, एक्सक्लूसिव पीडियाट्रिक हार्ट सेंटर में डॉक्टरों की एक मल्टी-डिस्प्लनरी टीम ने 27 सप्ताह के भ्रूण पर फीटल बैलून एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस मामले में महिला, जो कि एक गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस से पीड़ित थी, के भ्रूण को सही समय पर सटीक इंटरवेंशन से जीवित बचा लिया गया। इस उपलब्धि को अभूतपूर्व बनाने वाली बात यह है कि पंचर साइट को एक डिवाइस का उपयोग करके बंद किया गया था, एक नई और प्रमुख एप्रोच है, जिसे विश्व स्तर पर अपनी तरह का पहला माना जाता है। इस पूरे प्रोसिजर का नेतृत्व डॉ. कोनेती नागेश्वर राव, चीफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. श्वेता बाखरू, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट और डॉ. श्री फणी भार्गवी धुलिपुडी, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट ने किया। साथ ही, फीटल मेडिसन स्पेशलिस्ट्स, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट्स, इंटरवेंशनल

कार्डियोलॉजिस्ट्स और प्रसूति विशेषज्ञों की एक मल्टी-डिस्प्लनरी टीम ने रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट में अत्याधुनिक तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरी तरह से समर्थन किया। इस सफलता पर, डॉ. कोनेती नागेश्वर राव, चीफपीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट ने कहा कि यह उपलब्धि फीटल मेडिसन की सीमाओं को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ऐसे नाजुक और अधिक जोखिम वाले माहौल में क्लोजर डिवाइस का सफल उपयोग जन्म से पहले ही जीवन बचाने में इनोवेशन और टीम वर्क की ताकत को प्रदर्शित करता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 15 जनवरी 2025

जिले में अब तक 5 लाख 95 हजार 552 मीट्रिक टन धान खरीदी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिले में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी की जा रही है। अब तक 139 उपार्जन केंद्रो से 13 करोड 70 लाख रूपए से अधिक की लागत का 5 लाख 95 हजार 552 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं आज जिले में 26 करोड 52 लाख रूपए कीमत पर 1964 किसानों से 11 हजार 657 टन धान खरीदी की गई।

संक्षिप्त समाचार

एनआईटी रायपुर में मनाई गई मकर संक्रांति, जमकर उड़ाई गई पतंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर ने 14 जनवरी 2023 को मकर संक्रांति (उत्तरायण), पोंगल धूमधाम से मनाया। इस उत्सव का आयोजन-एनआईटी रायपुर की सांस्कृतिक समिति संस्कृति द्वारा किया गया। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव, डॉ. समीर बाजपेई, डॉ.आर. के. त्रिपाठी, डॉ. डी. सान्याल, डॉ. नितिन जैन सहित अन्य फैकल्टी सदस्य, विद्यार्थी मौजूद रहे और इस अदभुत कार्यक्रम का आनंद लिया। इस दौरान मौजूद छात्र-छात्राओं और फैकल्टी ने पतंग उड़ाकर इस उमंग और जोश से भरे त्योहार का भरपूर आनंद उठाया।

शिक्षक छोटेलाल साहू को मिला नवयुग राइजिंग टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड 2025 शिक्षकों एवं मित्रो ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। नवयुग विकास फाउंडेशन द्वारा मायाराम सुरजन हाल लोकायन में आयोजित सम्मान समारोह विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों एवं समाज सेवी संस्थाओं के प्रमुखों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री संजय श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी, द्वारा मुझे भी शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए नवयुग राइजिंग टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया हैं विशिष्ट अतिथि छालीवुड, विद्या राजपूत छत्तीसगढ़ी लोक गायिका जोशी बहनें श्रीमती रेखा, प्रभा, रमा जोशी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम प्रोग्राम कामिनी साहू राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षिका सहितअन्य अतिथि उपस्थित रहे नवयुग विकास फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले नवाचारी शिक्षकों एवं सामाजिक संस्थान को सम्मानित करते हैं टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित होने पर शिक्षकों एवं मित्रों में हर्ष है नवयुग विकास फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इस प्रकार निरंतर सम्मानित करते रहे।

ऑटो एक्सपो आज से, विधिवत उद्घाटन 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे

15 फरवरी तक सांइस कॉलेज मैदान में ऑटो एक्सपो 2025 का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) द्वारा आयोजित ऑटो एक्सपो 2025 साइंस कालेज मैदान में अपने पूर्व घोषित तारीख पर 15 जनवरी बुधवार की शाम गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हो जायेगा, लेकिन ऑटो एक्सपो का विधिवत उद्घाटन 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर अन्य सम्मानित अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

राडा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करते हुए उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया, उन्होने आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे ऑटो एक्सपो में आने की स्वीकृति दी है। राडा प्रतिनिधिमंडल ने पुन: एक्सपो अवधि के दौरान सभी प्रकार के वाहनों पर रोड टैक्स में 50 फीसदी की छूट प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अमर परवानी, राडा के अध्यक्ष रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, फाडा के पूर्व अध्यक्ष मनीषराज सिंघानिया, अनिल अग्रवाल, जयेश पिथालिया, विवेक गर्ग, श्याम गुप्ता, मनीष गुप्ता, विकास मत्थानी और यश कानिया शामिल थे।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन,उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया ने बताया कि इस बार 15 जनवरी से 15 फरवरी तक पूरे एक माह सांइस कालेज मैदान में ऑटो एक्सपो 2025 का आयोजन किया गया है। जो कि बुधवार शाम से प्रारंभ हो जायेगा। इसी दिन से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घोषित एक्सपो अवधि के दौरान सभी प्रकार की वाहनों पर आजीवन रोड टैक्स पर 50 प्रतिशत की छूट का लाभ भी मिलने लगेगा। देर शाम गणेश वंदना के साथ ऑटो एक्सपो की औपचारिक शुरुआत हो जायेगी, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे और वाहनों की खरीदी बिक्री भी सभी स्टालों में शुरु हो जायेगी। लेकिन विधिवत शुभारंभ 16 जनवरी गुरुवार को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। चारों सेग्मेंट के व्हीकल्स व स्पेयर पार्ट्स के 200 स्टॉल एक्सपो में शामिल हो रहे हैं,एक्सपो स्थल पर सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं।

59वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2025 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर/बिलासपुर (विश्व परिवार)। मेरठ, उत्तर प्रदेश में दिनांक 12 जनवरी 2025 को आयोजित 59वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो खिलाड़ियों ने भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व किया।

पुरुष टीम में श्री रवि और महिला टीम में सुश्री मुन्नी देवी ने अपनी उत्कृष्ट भागीदारी से भारतीय रेलवे के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का भी मान बढ़ाया है। उपरोक्त दोनों खिलाड़ी बिलासपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की पुरुष टीम उपविजेता और महिला टीम विजेता रही। विशेष रूप से, सुश्री मुन्नी देवी ने व्यक्तिगत श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। पिछले वर्ष 2023-24 में भी भारतीय रेलवे की महिला टीम विजेता और पुरुष टीम उपविजेता रही थी, जो इस वर्ष की सफलता की निरंतरता को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित खेलसंघ के अधिकारियों ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में और उनके और भी बेहतर प्रदर्शन की कामना की है।

रमेश ठाकुर ने किया जिलाध्यक्ष का पदभार ग्रहण

रमेश ठाकुर के नेतृत्व में रायपुर शहर जिला में भाजपा का झंडा हमेशा ऊंचा रहेगा: बृजमोहन अग्रवाल

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- रायपुर में सांसद भाजपा का, चारों विधायक भाजपा के और आने वाले समय में रायपुर का महापौर भी भाजपा का होगा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित रायपुर (शहर) जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण किया। निवृतमान जिला अध्यक्ष जयंतीभाई पटेल ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति में श्री ठाकुर को पद भार सौंपा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पदभार कार्यक्रम में कहा कि भाजपा सेवा करने वाली पार्टी है जो जनता के समस्याओं को दूर करने वाली पार्टी है। लगातार जनता के बीच जाकर उनके हर सुख-दुख में शामिल होने वाली पार्टी है। उन्होंने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर को बधाई देते हुए कहा कि अब आपको लोगों की समस्याओं के समाधान करने की दिशा में कार्य करना है। सीने में आग रखकर सभी कार्यकर्ताओं के समस्याओं को दूर करना है। उन्होंने कहा कि रायपुर में सांसद भाजपा का है, चारों विधायक भाजपा के हैं और आने वाले समय में रमेश ठाकुर के नेतृत्व में रायपुर का महापौर भी भाजपा का होगा और सभी पार्षद भी भाजपा के होंगे। उन्होंने रमेश ठाकुर को जिलाध्यक्ष बनने पर बधाई देता हुए कहा कि अब रायपुर शहर जिले की बागडोर आपके हाथों में है और कमल फूल का झंडा हमेशा रायपुर में ऊंचा रखना है।

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने अपने पदभार ग्रहण करने पर सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि वह सभी नेताओं के मार्गदर्शन में संगठन को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह रायपुर शहर में भाजपा की मजबूती के लिए कार्य करेंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करेंगे। सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे।

एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में अपराह्न हुए कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर सभांग प्रभारी सौरभ सिंह, जिला प्रभारी खूबचंद पारख, विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेश मूणत, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन, प्रदेश कार्यालय प्रभारी नरेश गुप्ता, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता, दीपक म्हस्के, अमित साहू, नलिनीश ठोकने, पूर्व विधायक श्रीचंद सुन्दरानी, नंदे साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने, छगनलाल मूंदड़ा, राजीव कुमार अग्रवाल अकबर अली सहित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारी संख्या में शरीक हुए।

पदभार ग्रहण से पूर्व इस मौके को यादगार बनाते हुए भाजयुमो ने रायपुर शहर में स्वागत रैली भी निकाली, जिसमें शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, मुहल्लों में श्री ठाकुर का जोरदार स्वागत किया गया। रैली में भाजयुमो कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते, नारे लगाते चल रहे थे। जगह-जगह पटाके फोड़कर और आतिशबाजी करके कार्यकर्ता अपने उत्साह का प्रदर्शन कर रहे थे। भाजपा रायपुर (शहर) जिला अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने एकात्म परिसर पहुँचने पर रायपुर शहर जिला की सभी मंडल इकाइयों व विधानसभा क्षेत्रों से पहुँचे कार्यकर्ताओं ने श्री ठाकुर का बेहद उत्साह के साथ जोशीला स्वागत किया।

रायपुर के सोमेश तारवानी प्रथम प्रयास में सफल हुए सीएफए एग्जाम में

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के सोमेश तारवानी प्रथम प्रयास में सीएफए एग्जाम लेवल-1 में सफल हुए सोमेश सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमेन चेतन तारवानी के सुपुत्र है तथा माता मनीषा तारवानी जो सुहिणी सोच की फाउंडर है। यह परीक्षा पूरी दुनिया भर में एक साथ आयोजित की जाती है। इस परीक्षा को अमेरिका स्थित सीएफए संस्थान (American-based CFA Institute) की ओर से आयोजित किया जाता है। संस्थान यह सर्टिफिकेट दुनियाभर के निवेश और वित्तीय पेशेवरों को प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि सीएफए दुनियाभर में वित्तीय शिक्षा योग्यता के लिए कानूनी और नियामक मान्यता प्राप्त उच्चतम डिग्री है।

राजा मोरध्वज की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया महोत्सव वर्षगांठ का स्मरण

आरंग (विश्व परिवार)। सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने राजा मोरध्वज महोत्सव 2023 की ऐतिहासिक शुरुआत के स्मरण में राजा मोरध्वज की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर वर्षगांठ मनाया।वहीं फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रात: राजा मोरध्वज की प्रतिमा की साफ सफाई की।

फाऊंडेशन के सदस्यों का कहना है इस नगर की पहचान राजा मोरध्वज की नगरी के नाम से है। राजा मोरध्वज महान दानवीर थे। इसलिए दान का पर्व मकर संक्रांति के दिन ही सर्व समाज की बैठक में इस विशेष तिथि को महोत्सव के लिए निश्चित किया था। इस वर्ष आयोजन को भव्य रूप देने के लिए शासकीय तैयारियों की वजह से बीते साल की नियत तिथि में महोत्सव का आयोजन नहीं हो पाया। इसलिए महोत्सव वर्षगांठ दिवस पर विशेष रूप से राजा मोरध्वज की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर वर्षगांठ मनाया गया। ज्ञात हो कि आगामी नगर पालिका परिषद चुनाव व आचार संहिता के पश्चात राजा मोरध्वज महोत्सव वृहद रूप से आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

स्वच्छता अभियान और दीप प्रज्वलन में पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, संयुक्त सचिव संजय मेश्राम, सक्रिय सदस्य प्रतीक टोंड्रे, रमेश देवांगन, भागवत जलक्षत्री,मोहन सोनकर,सी एल साहू, सजल चंद्राकर, दिना सोनकर आदि की उपस्थिति व सहभागिता रही।

रायपुर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए मशीनीकृत सड़क सफाई कार्य निरंतर जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर राजधानी शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। रायपुर के निवासियों को स्वच्छ परिवेश एवं वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में सड़को की धूल से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने हेतु नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र अंतर्गत मशीनीकृत सड़क सफाई कार्य निरंतर जारी है। मशीनों के माध्यम से मुख्य मार्गो की सड़क सफाई के कार्य में आधुनिक मशीनो का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके माध्यम से सड़क पर फैली धूल को सफाई के साथ-साथ मशीन में ही एकत्रित कर लिया जाता है। इस प्रकार सड़को की धूल के हवा में मिश्रित न होने पर वायु गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। सड़को की सफाई के साथ-साथ नियमित अंतराल में सड़क से लगे हुये डिवाइडर तथा फूटपाथ की धुलाई भी इस कार्य के साथ की जाती है। यह सभी कार्य महानगरों की तर्ज पर रात में किया जा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु 10 लाख जनसंख्या से अधिक जनसंख्या वाले शहरो के लिये मैकेनाईज्ड स्वीपिंग कार्य अनिवार्य किया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बॉब लिक्विड सावधि जमा की शुरुआत की

जो आंशिक रूप से आहरण की सुविधा के साथ सावधि जमा योजना को नए सिरे से परिभाषित करेगी

बॉब लिक्विड सावधि जमा एक अनूठा जमा उत्पाद है जो लिक्विडिटी की सुविधा के साथ सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करता है

मुंबई (विश्व परिवार)। आज के परिवर्तनशील वित्तीय परिवेश में, ग्राहक जमा संबंधी ऐसे नए सॉल्यूशंस चाहते हैं जो सुनिश्चित और प्रतिस्पर्धी रिटर्न, लिक्विडिटी और फ्लेक्सिबिलिटी का मिश्रण हों। बचतकर्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने पारंपरिक सावधि जमा (एफडी) के लिए एक अनूठा विकल्प- बॉब लिक्विड सावधि जमा पेश किया है।

बॉब लिक्विड सावधि जमा, सामान्यसावधि जमा से ज़्यादा रिटर्न कमाने के फ़ायदों को बचत खाते से जुड़ी आसान लिक्विडिटी की सुविधा के साथ जोड़ता है। यह जमाकर्ताओं को पूरी एफडीबंद किए बिना आंशिक आहरण की सुविधा प्रदान करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपनी आकस्मिक वित्तीय ज़रूरतों को आवश्यकता पड़ने पर पूरा कर सकते हैं, जबकि शेष राशि मेंउसी एफडी में अनुबंधित दर पर ब्याज प्राप्त होती रहती है। यह जमाकर्ताओं को अधिक रिटर्न, पूर्व भुगतान कम जुर्माना और आवश्यकता पड़ने पर धन राशि की तुरंत उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

बदलती वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना- भारत के वित्तीय परिदृश्य में ग्राहकों के व्यवहार में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ग्राहक अधिक फ्लेक्सिबल जमा उत्पादों की तलाश में हैं जो रिटर्न और लिक्विडिटी दोनों को प्राथमिकता देते हैं। चाहे किसी अप्रत्याशित आपात स्थिति से निपटना हो या किसी अप्रत्याशित खर्च को पूरा करना हो, बॉब लिक्विड सावधि जमायोजना सावधि जमा को बंद किए बिना आंशिक आहरण की सुविधा देती है।

उदाहरण के लिए 5.00 लाख रुपए की बॉब लिक्विड सावधि जमा में, ग्राहक समय से पहले एक लाख रुपए निकाल सकता/सकती है। 4 लाख रुपए की शेष जमा राशि पर पूर्व अनुबंधित दर पर ब्याज मिलता रहेगा और ग्राहक को पूर्व भुगतान जुर्माना, यदि लागू हो, तो केवल 1 लाख रुपए की निकाली गई राशि पर देना होगा, न कि पूरी राशि पर।

बॉब लिक्विड सावधि जमा की मुख्य विशेषताएं- बॉब लिक्विड सावधि जमा को ग्राहक-केंद्रित सुविधाओं के साथतैयार किया गया है, जिसमें 5,000 से शुरू होने वाली फ्लेक्सिबल जमा राशि, 12 से 60 महीने तक की अवधि के विकल्प और 1,000 रुपए के गुणकों में आंशिक आहरण की सुविधा शामिल है। इसके अतिरिक्त, 5 लाख रुपए तक की उनसावधि जमाओं पर,जिनकीजमाअवधि न्यूनतम12 महीने की हो गई है,समय पूर्वआहरण के लिए कोई पूर्व-भुगतान जुर्माना नहीं लगाया जाता है।

बॉब लिक्विड सावधि जमा की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसारहैं- न्यूनतम जमा राशि 5,000/- रुपए (और उससेबाद 1,000/- रुपए के गुणक में)। अधिकतम जमा राशि- कोई ऊपरी सीमा नहीं। न्यूनतम अवधि- 12 महीने। अधिकतम अवधि- 60 महीने। ब्याज दर-सावधि जमा पर समय-समय पर बैंक द्वारा तय की गई प्रचलित ब्याज दरों के अनुसार (https://www.bankofbaroda.in/interest-rate-and-service-charges/deposits-interest-rates).

समय पूर्व भुगतान/आंशिक आहरण सुविधा- सावधि जमाकी अवधि के दौरान जितनी बार आवश्यक हो, 1,000/- रुपए के गुणक में आंशिक आहरण कीअनुमति दी जाती है। पूर्व भुगतान परजुर्माना- 5 लाख तक की उनसावधि जमाओं पर,जिनकीजमाअवधि न्यूनतम12 महीने की हो गई है,समय पूर्वआहरण के लिए कोई पूर्व-भुगतान जुर्माना नहीं लगाया जाता है। 1 करोड़ से कम की सावधि जमा- पूरी अवधि के लिए लागू ब्याज दर या अनुबंधित दर, जो भी कम हो, का 1 प्रतिशत जुर्माना। 1 करोड़ और उससे अधिक की सावधि जमा - पूरी अवधि के लिए लागू ब्याज दर या अनुबंधित दर, जो भी कम हो, पर 1.5 प्रतिशत का जुर्माना।

नि:शुल्क नेत्र शिविर के लिए डॉ. दिनेश मिश्र का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में

रायपुर (विश्व परिवार)। विगत 33 वर्षों से हर वर्ष दीपावली एवं होली त्यौहारों के समय नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन अपने नयापारा, फूल चौक, रायपुर स्थित अस्पताल में लगातार करने को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने अपने आप में अद्वितीय जनसेवा का कार्य मानते हुए इस कार्य के लिए प्रसिद्ध वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस रिकॉर्ड के लिए डॉ. दिनेश मिश्र को संस्था द्वारा जारी पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था की छत्तीसगढ़ हेड श्रीमती सोनल राजेश शर्मा तथा विधानसभा अध्यक्ष के सचिव श्री विक्रम सिसोदिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि डॉ. दिनेश मिश्र द्वारा काफी लंबे समय से समाजसेवा का कार्य किया जा रहा है। नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों के अलावा अंधविश्वास उन्मूलन और टोनही प्रताड़ित महिलाओं के पुनर्वास के लिए उनके द्वारा बहुत सराहनीय कार्य किए गए हैं। संस्था की छत्तीसगढ़ प्रमुख श्रीमती शर्मा ने कहा कि डॉ. दिनेश मिश्र ने पिछले 33 वर्षों में हर वर्ष दीपावली व होली में नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित किए। यह 66 शिविर एक तरह से बहुत ही आवश्यकता और आपातकालीन परिस्थितियों में किए गए जब बड़े-बड़े त्यौहारों के कारण चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में मरीज और उनके रिश्तेदार दुर्घटनाग्रस्त हालत में भटकते हैं। डॉ. मिश्र ने अपनी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं से विश्वसनीय मदद प्रदान करते हुए मानवता की बड़ी सेवा की है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने डॉ. दिनेश मिश्र को पदक, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया एवं उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी.

डॉ. दिनेश मिश्र ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1991 में यह सेवा शुरू की थी। उन्होंने देखा था कि त्यौहारों की खुशियों को गम में बदलने से बहुत ही निराशा का माहौल बनता है। ऐसे में शहर के बीच ऐसे नि:शुल्क शिविर लगाने की जरूरत थी जहां आपात स्थिति के नाम पर बेहद जरूरतमंद और आपात स्थिति में पहुंचे मरीजों के साथ किसी भी तरह की उपेक्षा या धोखाधड़ी न हो। नि:शुल्क शिविर करने से मरीजों को इस बात का भी विश्वास हुआ कि दुर्घटना के नाम से उनसे किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। इन शिविरों की चर्चा प्रदेश के दूर-दूर के जिलों और गांवों में पहुंची और लोग लंबी-लंबी दूरी तय कर राहत के लिए पहुंचने लगे। दिवाली में पटाखें हो या होली में रंग के कारण दुर्घटनाएं, दोनों परिस्थितियों में मरीजों के नेत्रहीन होने का खतरा रहता है इसलिए उन्हें तुरंत उपचार देना जरूरी होता है।

डॉ. मिश्र द्वारा इन शिविरों के लिए कभी भी, किसी व्यक्ति या संस्था से कोई भी आर्थिक मदद नहीं ली गई। जिसमें निशुल्क, परीक्षण, उपचार, दवाईयां, यहां तक ऑपरेशन भी किया गया है। 4 हजार से अधिक घायल मरीजों का इलाज हुआ है। अपने सेवा कार्यों के लिए डॉ. मिश्र को प्रदेश शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण रविशंकर शुक्ल सम्मान 2006, एवं राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय अवॉर्ड 2008, महिला आयोग 2007 द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें रेड एंड व्हाइट ब्रेवरी गोल्ड अवॉर्ड भी प्राप्त हो चुका है। समय-समय पर विभिन्न मीडिया हाउस व अन्य समाजसेवी संस्थाओं द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354